रूस के नए 2 सीट वाले स्टील्थ... पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

दिव्य कथा- मैं सूर्य देव हूं... पेज 7

वर्ष 6, अंक 336 | भोपाल, सोमवार 18 मई, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, द्वितीया 2083 | मूल्य 2 रुपए

होर्मुज में जहाजों को निशाना बनाए जाने पर भारत ने जताई नाराजगी

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला कर नागरिक चालक दल को खतरे में डालने पर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में नाराजगी जताई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथनेनी हरीश ने इस मामले पर क्लियरकट जवाब देते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना, नागरिक चालक दल को खतरे में डालना और नौवहन की स्वतंत्रता में बाधा डालना अस्वीकार्य है।
ओमानी अधिकारियों ने सोमालिया से आ रहे जहाज के सभी 14 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया, लेकिन यह तुरंत पता नहीं चल पाया कि हमला किसने किया। रविवार को सोशल मीडिया हैंडल X पर एक पोस्ट में अधिकारी ने लिखते हुए कहा कि यूनेकोसोक की बैठक में उन्होंने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उत्पन्न हालिया ऊर्जा और उर्वरक संकट के प्रति भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने कहा कि संकट से निपटने के लिए अल्पकालिक और संरचनात्मक उपायों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कानून का पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए। 13 मई को होर्मुज जलडमरूमध्य में नाजुक स्थिति के बीच जहाज पर हमला हुआ, जिससे होकर दुनिया की लगभग एक-पांचवीं ऊर्जा आपूर्ति गुजरती है। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम दो अन्य भारतीय ध्वज वाले जहाजों पर हमले हो चुके हैं।
स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (ओमान के तट) के पास 13 मई को भारतीय झंडे वाले मालवाहक जहाज 'MSV हाजी अली' पर मिसाइल या ड्रोन से हमला हुआ था जिससे जहाज डूब गया।
हालांकि, गनीमत रही कि जहाज पर सवार सभी 14 भारतीय क्रू मेंबर्स को ओमान कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया।
बता दें कि यह समुद्री इलाका वर्तमान में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण काफी संवेदनशील बना हुआ है। होर्मुज क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने की कई घटनाएं सामने आई हैं।

नोएडा की ट्विशा शर्मा की मौत मामले में सीएम हाउस के बाहर परिवार का प्रदर्शन

बोले- 'सोची-समझी हत्या, सबूत मिटाए गए'

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली 31 वर्षीय ट्विशा शर्मा की मौत का मामला अब गरमाता जा रहा है। रविवार को ट्विशा के न्याय के लिए उनके परिजनों ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के आवास के बाहर कड़ा विरोध प्रदर्शन किया। चिलचिलाती धूप में घंटों डटे परिवार ने आरोप लगाया कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि एक सोची-समझी हत्या है और अपराध को छिपाने के लिए सबूतों को मिटाया गया है। ट्विशा के पिता ने मांगें पूरी न होने पर आत्मदाह तक की चेतावनी दे डाली है।
31 साल की ट्विशा शर्मा, जो मंगलवार को भोपाल में अपने घर पर संदिग्ध हालात में मृत मिली थीं, उनके परिवार ने रविवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के घर के बाहर प्रदर्शन किया। यह आरोप लगाते हुए कि यह एक सोची-समझी हत्या थी और अपराध को छिपाने के लिए सबूत मिटाए गए, परिवार ने इंसाफ की मांग की और AIIMS दिल्ली में दोबारा पोस्टमॉर्टम करवाने की मांग की। ट्विशा के परिवार ने उनके पति और ससुराल वालों पर लंबे समय से मानसिक और शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मांगें पूरी होने तक ट्विशा का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। उनके पिता, नव निधि शर्मा ने कहा कि अगर उन्हें इंसाफ नहीं मिला तो वे मुख्यमंत्री के घर के सामने खुद को आग लगा लेंगे। इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मैं यहीं CM के घर के सामने अपनी जान दे दूंगा। अगर मुझे इंसाफ नहीं मिला तो मैं खुद को आग लगा लूंगा।" रविवार को, ट्विशा का परिवार चिलचिलाती धूप में कई घंटों तक CM के घर के बाहर डटा रहा, और मुख्यमंत्री से सीधे मुलाकात करने की ज़िद करता रहा। पुलिस अधिकारियों और सीनियर अफसरों ने उन्हें प्रशासनिक अधिकारियों से बात करने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन परिवार ने मुख्यमंत्री से खुद आश्वासन मिले बिना वहां से हटने से मना कर दिया।
उन्होंने निराशा जताते हुए कहा, "आरोपियों को अग्रिम ज़मानत मिल गई है। यह एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा जिसका इस्तेमाल भविष्य में वकील करेंगे, यह तर्क देते हुए कि ऐसे अपराध के आरोपी को भी ज़मानत दी जा सकती है। उन्हें ट्रायल शुरू होने से पहले ही ज़मानत मिल गई है। जज का परिवार अपने रसूख का इस्तेमाल कर रहा है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कानून लोगों के साथ उनकी हैसियत के हिसाब से बर्ताव करता है।"
परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि ट्विशा के ससुराल वाले जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, और मांग की कि उनकी बेटी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ठीक से सुरक्षित रखा जाए।
नव निधि शर्मा ने आगे कहा, "हम मुख्यमंत्री से मिल नहीं पाए, क्योंकि वे एक प्रतिनिधिमंडल से मिलने में व्यस्त थे। हालांकि, हमने उनके OSD से बात की, जिन्होंने माना कि पुलिस जांच में कुछ कमियां थीं। हमने यह भी गुज़ारिश की कि ट्विशा के शव को माइनस 4 डिग्री सेल्सियस पर सुरक्षित रखा जाए, क्योंकि अभी तापमान 4-5 डिग्री है जिससे शव सड़ने लगेगा।" उन्होंने दावा किया कि यह सब आरोपी के इशारे पर हो रहा था। "अब हम फिर से कोर्ट जाएंगे और यह आदेश मांगेंगे कि शव को सुरक्षित रखने के लिए तापमान कम किया जाए।"
ट्विशा के पिता शर्मा ने आगे कहा, "विडंबना यह है कि हमें उन्हीं लोगों से मदद मांगने पर मजबूर होना पड़ रहा है, जिनके खिलाफ हम लड़ रहे हैं।"
ट्विशा शर्मा का अंतिम संस्कार करने से इनकार करते हुए, उनकी मौत में किसी साजिश का आरोप लगाते हुए और चल रही जांच की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए, परिवार ने दूसरी बार पोस्टमॉर्टम कराने की भी मांग की है। उनका दावा है कि AIIMS भोपाल से मिली शुरुआती रिपोर्ट संतोषजनक नहीं थी।
नवनीधि शर्मा ने पुलिस जांच में गंभीर कमियों का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनकी बेटी की मौत के दो दिन बाद FIR दर्ज की गई थी और अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।
उन्होंने आगे कहा कि परिवार का पुलिस द्वारा गठित विशेष जांच दल (SIT) से भरोसा उठ गया है और उन्होंने मांग की है कि इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जाए।
परिवार के अनुसार, ट्विशा के शव पर हाथों और कानों पर चोट के निशान थे, जिससे हत्या और सबूत मिटाने का संदेह पैदा होता है। परिवार ने आरोप लगाया कि कई सवालों के जवाब न मिलने के बावजूद इस मामले को आत्महत्या के तौर पर पेश किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी मां, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और सबूत मिटाने के आरोपों की जांच के लिए एक SIT गठित की गई है। सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश कश्यप इस SIT जांच का नेतृत्व कर रहे हैं।
कटारा हिल्स पुलिस स्टेशन के प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि मुख्य आरोपी समर्थ सिंह फिलहाल फरार है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस रिटायर्ड जज को दी गई अंतरिम जमानत को चुनौती देगी और इस मामले में कानूनी कार्रवाई जारी रखेगी। दुबे ने यह भी कहा कि अगर कोर्ट की प्रक्रियाओं के बावजूद परिवार शव लेने से इनकार करता रहा, तो अधिकारी कानूनी प्रावधानों के अनुसार अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी करेंगे।
मूल रूप से नोएडा की रहने वाली ट्विशा शर्मा 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में अपने ससुराल में फंदे से लटकी हुई मिली थीं।
खबरों के अनुसार, उन्होंने 2024 में एक डेटिंग ऐप के ज़रिए भोपाल के वकील समर्थ सिंह से मुलाकात की थी और दिसंबर 2025 में उनसे शादी कर ली थी। उनके परिवार का दावा है कि वह भोपाल छोड़कर नोएडा वापस लौटना चाहती थीं। रिश्तेदारों ने यह भी बताया कि अपनी मौत से कुछ ही समय पहले तक वह उनके संपर्क में थीं। ट्विशा के भाई हर्षित शर्मा भारतीय सेना में मेजर के पद पर कार्यरत हैं। एक स्थानीय अदालत ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को पहले ही अग्रिम ज़मानत दे दी है, जबकि समर्थ सिंह की अग्रिम ज़मानत याचिका पर सुनवाई 18 मई को होनी है। **-पेज 3 भी पढ़ें**

भारत डच पीएम की 'चिंताओं' बोला- भारत पांच हजार साल पुरानी सभ्यता का देश है

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

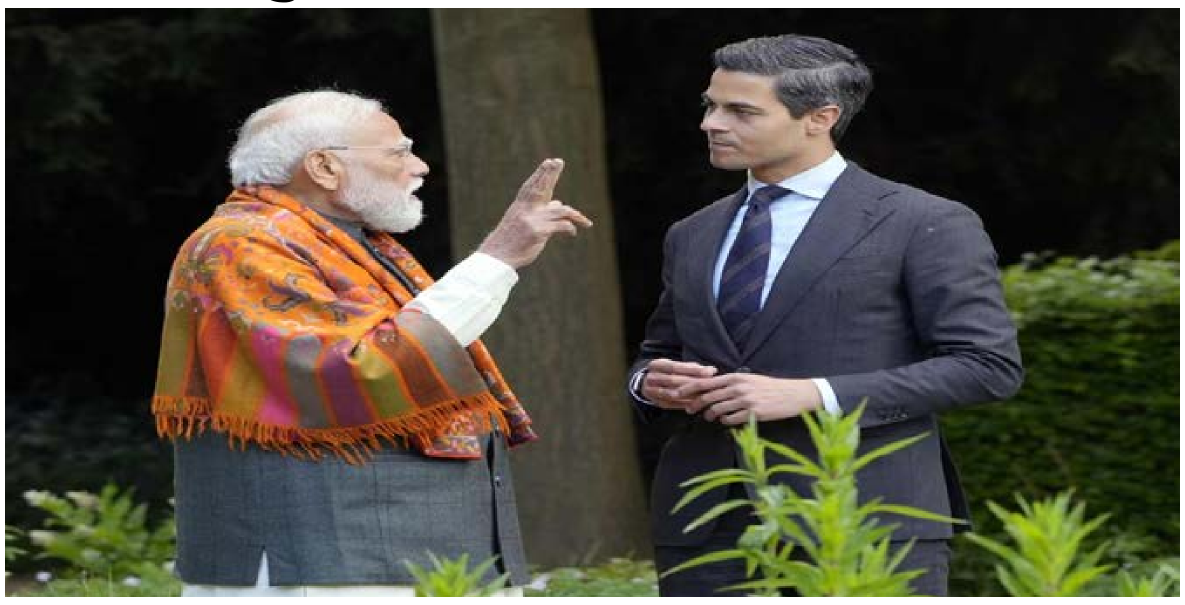

भारत ने रविवार को देश में मीडिया की आजादी और अल्पसंख्यकों के अधिकारों में गिरावट के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। भारत ने जोर देकर कहा है कि यह देश एक लोकतंत्र है, जो अपने सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी की गारंटी देता है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रोब जेटेन की ओर से भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में कथित गिरावट को लेकर चिंता जताए जाने की खबरों के संबंध में पूछे सवाल के जवाब में ये टिप्पणियां कीं।
जॉर्ज शनिवार शाम को एम्स्टर्डम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड की दो दिवसीय यात्रा के संबंध में मीडिया से बात कर रहे थे। जॉर्ज ने कहा, ''सवाल पूछने वाले की समझ की कमी के कारण हमें इस सवाल का जवाब देना पड़ रहा है। भारत 1.4 अरब लोगों का देश है। दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र।'' उन्होंने कहा कि भारत पांच हजार साल पुरानी सभ्यता का देश है, जहां विविधता फैली हुई है। जॉर्ज ने आरोपों का खंडन करते हुए भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषा की विविधता पर जोर दिया।
उन्होंने कहा, ''भारत को देखिए, यह कितना खूबसूरत है। दुनिया में कोई दूसरा देश नहीं है, जहां इतने धर्मों का उदय हुआ हो। हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म। इन सभी का भारत में उदय हुआ और आज भी फल-फूल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख धर्मों को भारत में आश्रय मिला और यहां उनका प्रसार होता रहा। उन्होंने कहा, ''भारत शायद उन चंद देशों में से एक है, जहां यहूदी समुदाय को कभी किसी उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ा। यही भारत की खूबसूरती है।'' हाल में हुए विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए जॉर्ज ने कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, जहां शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता परिवर्तन होता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों से समझौता किए बिना आर्थिक सफलता हासिल की। उन्होंने कहा, ''हमने गरीबी से निपटने के लिए हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से गरीबी दूर की।'' जॉर्ज ने कहा, ''हम दुनिया की कुल आबादी के छठे हिस्से हैं, लेकिन दुनिया की समस्याओं का छोटा हिस्सा नहीं हैं। यही भारत की खूबसूरती है, जो हमें गर्व से भर देती है। हर अल्पसंख्यक तबका यहां फलता-फूलता है।'' उन्होंने कहा, ''जब हम आजाद हुए तब अल्पसंख्यक आबादी 11 फीसदी थी, आज यह 20 फीसदी से अधिक है।'' इससे पहले पीएम मोदी 2 दिवसीय दौरे पर नीदरलैंड पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन से मुलाकात भी की। दोनों के बीच बातचीत के बाद भारत और नीदरलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। भारत और नीदरलैंड ने अलग अलग क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी ने यहां अपने संबोधन में कहा कि भारत नीदरलैंड्स को अपने सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक मानता है और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और गहरे संबंध हैं। **-पेज 5 भी पढ़ें**

चश्मदीद बोला- 'पायलट सुमीत का शव देखा, कंट्रोल कसकर पकड़ रखे थे', एयर इंडिया क्रेश के बाद का खौफनाक मंज़र

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

"वह दृश्य ऐसा था जिसे मैं ज़िंदगी भर कभी भुला नहीं पाऊँगा।" ये शब्द उस बदनसीब चश्मदीद के हैं जो एयर इंडिया की फ़्लाइट AI-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के मुर्दाघर (Mortuary) में दाखिल हुआ था। विमान हादसे के खौफनाक मंज़र की जो दास्तान उसने बयां की है, वह रूह कंपा देने वाली है। इस चश्मदीद का दावा है कि विमान के मुख्य पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल आखिरी सांस तक विमान को बचाने की जद्दोजहद में जुटे थे और मौत के बाद मुर्दाघर में भी उनके हाथों में विमान का स्टीयरिंग व्हील (Yoke) कसकर जकड़ा हुआ था।
लंदन जाने वाली एयर इंडिया की यह फ़्लाइट (बोइंग 787 ड्रीमलाइनर) ने जैसे ही अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरी, कुछ ही सेकंड के भीतर यह पास के बीजे मेडिकल कॉलेज की हॉस्टल बिल्डिंग से जा टकराई। इस भीषण हादसे ने पल भर में 260 मासूम जिंदगियों को लील लिया। मरने वालों में विमान में सवार 241 यात्री और क्रू सदस्य शामिल थे, जबकि 19 लोग ज़मीन पर मौजूद थे जो इस मलबे की चपेट में आ गए। इस विनाशकारी क्रैश में चमत्कारिक रूप से केवल एक ही यात्री जीवित बच सका। रोमिन वोहरा नाम के एक व्यक्ति ने इस हादसे में अपनी चाची यास्मीन, भाई परवेज़ (जो लंदन में Amazon के लिए काम करते थे) और अपनी तीन साल की मासूम भतीजी को हमेशा के लिए खो दिया।
डेली मेल से बात करते हुए, वोहरा ने बताया कि वह मुर्दाघर में घुसने में इसलिए कामयाब रहे क्योंकि उन्होंने Covid-19 महामारी के दौरान अहमदाबाद सिविल अस्पताल में पैथोलॉजी लैब असिस्टेंट के तौर पर काम किया था और वहाँ के लोगों को अब भी जानते थे। उन्हें उम्मीद थी कि वह अपने रिश्तेदारों के शवों की पहचान कर पाएँगे। लेकिन इसके बजाय, उन्हें वहाँ ऐसा मंज़र देखने को मिला जो सीधे-सीधे नरक जैसा था।
वोहरा के अनुसार, कई शवों को ज़मीन पर एक-दूसरे के बगल में लिटाया गया था। उन्हें कटे हुए सिर और अंग, एक जली हुई माँ जिसके हाथों में अभी भी उसका बच्चा था, और एक छोटी बच्ची की खोपड़ी याद आई, जिसे उन्होंने बड़ी बेताबी से अपनी भतीजी की तस्वीर से मिलाने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने कहा कि एक दृश्य बाकी सबसे अलग था। वोहरा ने दावा किया कि उन्होंने कैप्टन सुमीत सभरवाल का शव देखा, जो उस दुर्भाग्यपूर्ण फ़्लाइट के मुख्य पायलट थे, और जिनका शव मुर्दाघर के एक कोने में अलग से रखा हुआ था। वोहरा ने मेल को बताया, "वह अभी भी बैठी हुई मुद्रा में थे।" "उनकी पीठ जल गई थी, लेकिन उनके शरीर का अगला हिस्सा पूरी तरह से सही-सलामत था।" उन्होंने बताया कि कैप्टन की सफ़ेद यूनिफ़ॉर्म वाली शर्ट—जिसके कंधों पर चार सुनहरी पट्टियाँ थीं—और उनकी गहरे रंग की टाई और पतलून, सब कुछ सही-सलामत लग रहा था। यहाँ तक कि उनके जूते भी अभी भी उनके पैरों में थे। लेकिन जिस बात ने उन्हें सबसे ज़्यादा चौंकाया, वह यह थी कि सभरवाल ने कथित तौर पर अभी भी अपने हाथों में क्या पकड़ रखा था। वोहरा ने दावा किया कि पायलट विमान के डबल-हैंडल वाले योक -- विमान को कंट्रोल करने के लिए इस्तेमाल होने वाले स्टीयरिंग कॉलम -- को पकड़े रहा; हो सकता है कि टक्कर के दौरान या जब बचावकर्मी उसे कॉकपिट से निकाल रहे थे, तब वह टूट गया हो। 'द मेल' ने बताया कि एक डॉक्टर, जो कथित तौर पर मुर्दाघर में मौजूद था, उसने भी वोहरा की बात का समर्थन किया। अगर यह बात सही है, तो एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह जानकारी इस तर्क को मज़बूती दे सकती है कि कैप्टन सभरवाल आखिरी पलों तक विमान को बचाने की कोशिश कर रहे थे। पिछले साल 12 जुलाई को जारी अपनी शुरुआती रिपोर्ट में, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने कहा था कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद, दोनों इंजनों को जाने वाली फ्यूल सप्लाई एक-दूसरे के एक सेकंड के अंदर ही कट गई थी, जिससे कॉकपिट के अंदर अफरा-तफरी मच गई थी। रिपोर्ट में कॉकपिट की वॉयस रिकॉर्डिंग का ज़िक्र किया गया है, जिसमें एक पायलट ने पूछा, "तुमने सप्लाई क्यों काट दी?" जबकि दूसरे ने जवाब दिया, "मैंने नहीं काटी।" इस बातचीत से यह अटकलें लगने लगीं कि शायद पायलट की गलती की वजह से ही यह हादसा हुआ हो। हालांकि, कैप्टन सभरवाल के परिवार और पायलट संगठनों ने इन शुरुआती नतीजों पर कड़ा ऐतराज़ जताया है। उनके 88 साल के पिता, पुष्कराज सभरवाल ने 'फेडरेशन ऑफ़ इंडियन पायलट्स' के साथ मिलकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया और आरोप लगाया कि यह रिपोर्ट "पूरी तरह से गलतियों से भरी" है और उन पायलटों पर बेवजह निशाना साध रही है जो अब खुद का बचाव करने के लिए ज़िंदा नहीं हैं।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

विद्यार्थी संस्कार शिविर का भव्य समापन, बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल विश्व गायत्री परिवार अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन एवं गायत्री शक्तिपीठ के निर्देशन में गायत्री चेतना केंद्र द्वारा आयोजित 16 दिवसीय विद्यार्थी संस्कार शिविर का भव्य समापन शनिवार को कोलार स्थित जवाहरलाल नेहरू स्कूल में संपन्न हुआ। समापन समारोह में बच्चों की आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

गर्मी की छुट्टियों में जहां विभिन्न स्थानों पर समर कैंप आयोजित किए जाते हैं, वहीं गायत्री परिवार द्वारा संस्कार परंपरा को आगे बढ़ाते हुए देशभर में विद्यार्थी संस्कार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 2 मई से 17 मई तक आयोजित इस शिविर में 44 से अधिक बच्चों, उनके अभिभावकों एवं कोलार क्षेत्र के गायत्री परिजनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

शिविर के दौरान बच्चों को ध्यान-योग, अखंड ज्योति की प्रेरणादायी कहानियां, आर्ट, क्राफ्ट, पेंटिंग एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। अभिभावकों ने शिविर को जीवन बदलने वाला अनुभव बताते हुए कहा कि बच्चों में सुबह से शाम तक की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दिनचर्या के संस्कार विकसित हुए हैं, जिसका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश नागर ने बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने की पहल की सराहना की। वहीं कोलार समन्वयक आशा पाठक ने गायत्री परिवार के मिशन एवं संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का प्रतिवेदन रेखा सक्सेना द्वारा प्रस्तुत किया गया।

स्कूल की प्राचार्य श्रीमती बादल ने इस आयोजन को अनोखा अनुभव बताया, जबकि वार्ड पार्षद श्रीमती ज्योति मिश्रा ने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे अन्य क्षेत्रों में भी आयोजित करने का आह्वान किया। समारोह में आध्या सक्सेना, अनन्या सिंह, अदिति श्रीवास्तव, अदिति कपूर, अमूल्य स्वर्णकार, हिमांशी ताम्रकार, मौली एवं अनिका भटनागर सहित कई बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में श्याम शर्मा, देवेंद्र श्रीवास्तव, रीता मंडल, रूबी जायसवाल, हेमंत जायसवाल एवं सुशील शर्मा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन अमरेश पाठक ने किया। इसी दिन गायत्री शक्तिपीठ में "युवा व्यक्तित्व परिष्कार सत्र" का आयोजन भी किया गया। यह विशेष सत्र प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को गायत्री शक्तिपीठ व्यवस्थापक राजेश पटेल के मार्गदर्शन एवं युवा प्रकोष्ठ टीम के सहयोग से आयोजित किया जाता है, जिसमें युवाओं को जीवन में शक्ति, स्पष्टता एवं संतुलन लाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

सत्र में 15 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं ने सहभागिता कर व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच एवं आत्मिक उन्नति से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। आयोजकों ने युवाओं से नियमित रूप से इस सत्र से जुड़कर जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

बाणगंगा बस्ती के अंडर प्रिविलेज बच्चों की क्राफ्ट कार्यशाला आयोजित कर पुरस्कार प्रदान किए गए

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र द्वारा अंडर प्रिविलेज बच्चों के लिए तीन दिवसीय क्राफ्ट कार्यशाला 09 मई 2026 से 11 मई 2026 तक आयोजित की गई। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम नगर के वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश पटवा की अध्यक्षता, कविता सिरोले के मुख्य आथित्य, डॉक्टर रेखा नायक के सारस्वत आतिथ्य और विशिष्ट अतिथि वीरेंद्र की उपस्थिति में शोध केंद्र में संपन्न हुआ।

अध्यक्ष की आसंदी से बोलते हुए सुरेश पटवा ने कहा कि बच्चों को तन, मन और मस्तिष्क से सुंदर रहना चाहिए। जब मन में ईर्ष्या द्वेष कपट के भाव नहीं आते तब ही मस्तिष्क भी सुंदर रहता है। यही सुंदरता जीवन को सुंदर बनाती है। इस अवसर पर वीरेंद्र श्रीवास्तव, कविता सिरोले और रेखा नायक ने बच्चों की संबोधित किया। श्रीमती सुधा दुबे ने कार्यक्रम का सुचारू संचालन कर बच्चों को व्यवस्थित करने में अथक परिश्रम किया।

तीन दिवसीय क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन में महेश सक्सेना, पद्मा सक्सेना, सुधा दुबे, श्यामा गुप्ता, मृदुल त्यागी, तन मन धन से समर्पित भाव से किया। सरस्वती वंदना के साथ भोज शाला की आजादी की सभी बच्चों ने खुशी जताई।

समारोह में प्रथम पुरस्कार – मंशा प्रजापति, द्वितीय पुरस्कार - मुस्कान अली। तृतीय पुरस्कार – माहिरा ख़ान, सांत्वना पुरस्कार - अनु साकेत को प्रदान किए गए।

रेखा तिवारी ने सहयोग किया। बच्चों में कविता सुनाईं, अपनी टीचर की नकल उतारी, माता पिता की नकल उतार विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

काफी दिनों से चल रहा था आईपीएल सट्टे का अवैध कारोबार

सारंगपुर में आईपीएल सट्टे का बड़ा खुलासा: आधी रात को पुलिस का छापा, दो सगे भाई निकले ऑनलाइन जुए के मास्टरमाइंड

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सारंगपुर में आईपीएल सट्टे के बड़े नेटवर्क का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। शनिवार देर रात सारंगपुर पुलिस ने शहर में चल रहे ऑनलाइन सट्टे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस को आरोपियों के मोबाइल से ऑनलाइन बेटिंग के दर्जनों यूजर नेम, पासवर्ड, लाखों रुपए के लेनदेन और आईपीएल मैचों पर लगाए जा रहे दांव से जुड़े अहम डिजिटल सबूत मिले हैं। कार्रवाई के बाद शहर में हड़कंप मच गया। टीआई राहुल रघुवंशी ने बताया कि पुलिस पिछले एक सप्ताह से इस पूरे नेटवर्क पर गुप्त नजर बनाए हुए थी। एसपी अमित तोलानी के निर्देशन और साइबर एक्सपर्ट एसआई जितेंद्र अजनारे के सहयोग से योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस ने सबसे पहले एक युवक को मुखबिर बनाकर सट्टे की आईडी खरीदने भेजा। मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर रेहान नामक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, लेकिन उसके पास से कोई ठोस सबूत नहीं मिले। हालांकि उसका मोबाइल जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है।

इसके बाद पुलिस ने संजय राठौर पिता गोकुलप्रसाद राठौर निवासी भ्याना और दीपक भिलाला पिता सौदान सिंह भिलाला निवासी डिगवाड़ को पकड़ा। दोनों के मोबाइल की जांच में आईपीएल सट्टे से जुड़े कई डिजिटल रिकॉर्ड और लेनदेन के सबूत मिले। पूछताछ के बाद पुलिस शहर के कथित मुख्य सटोरियों जितेंद्र उर्फ जीतू चौहान और निलेश उर्फ रिंकू चौहान पिता राधेश्याम चौहान निवासी वार्ड-4 छोटा चौक सारंगपुर तक पहुंची। दोनों आरोपी सगे भाई हैं।

पुलिस ने जब दोनों भाइयों के मोबाइल खंगाले तो कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों को ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए प्रेरित करते थे और यूजर नेम-पासवर्ड बेचकर पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन, एक लाख रुपए नगद सहित करीब 3 लाख 15 हजार रुपए का सामान जब्त किया है। वहीं जांच में 20 लाख रुपए से अधिक के सट्टे के लेनदेन का हिसाब भी मिला है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े बड़े आकाओं की तलाश में जुटी हुई है।

ट्विशा के परिजन का सीएम हाउस पर प्रदर्शन, पिता बोले- आरोपी न्यायिक व्यवस्था का हिस्सा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में रिटायर्ड जज की बहू ट्विशा शर्मा सुसाइड केस अब मुख्यमंत्री निवास तक पहुंच गया है। रविवार को ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा परिवार के साथ सीएम हाउस पहुंचे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि मामले में आरोपी न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हैं, इसलिए मध्यप्रदेश में निष्पक्ष जांच की उम्मीद नहीं है। करीब ढाई घंटे तक चले प्रदर्शन और नारेबाजी के बाद ट्विशा के पिता और भाई को मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों ने अंदर बुलाकर चर्चा की। पिता बोले- मामले की जांच बाहरी एजेंसी से कराना जरूरी

बाहर आने के बाद नवनिधि शर्मा ने कहा कि अधिकारियों ने माना है कि मामले की जांच किसी बाहरी एजेंसी से कराना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे पोस्टमॉर्टम की जरूरत को भी अधिकारियों ने स्वीकार किया है। हालांकि, यह भी कहा गया कि न्यायपालिका स्वतंत्र है, इसलिए सरकार सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

नवनिधि शर्मा ने कहा, "हमारी लड़ाई रेयरेस्ट ऑफ रेयर स्थिति में है, क्योंकि आरोपी न्यायिक व्यवस्था का हिस्सा हैं। हम बेटी का अंतिम संस्कार तभी करेंगे, जब दिल्ली AIIMS में दूसरा पोस्टमॉर्टम हो जाएगा।" रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा, मां रेखा शर्मा, भाई मेजर हर्षित शर्मा, भाभी राशि शर्मा समेत रिश्तेदार और दोस्त सीएम हाउस पहुंचे। मुख्य गेट पर खड़े होकर उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलने की मांग की और नारेबाजी की।

विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर रविवार को दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में प्रदर्शनी का आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर रविवार को दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में "विभाजित दुनिया को एक जुट करने में संग्रहालय की भूमिका" विषय पर केंद्रित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें हॉबी ग्रुप के दस संग्रहकर्ताओं ने अपना दुर्लभ संग्रह प्रदर्शित किया।

डॉ नारायण व्यास- पुरातात्विक वस्तुओं का संग्रह,

सुनील भट्ट- माचिस का संग्रह,

देवेन्द्र प्रकाश तिवारी-कबाड़ से निर्मित कलाकृतियां, सुधीर पांड्या- विशेष अंकों के नोट,

के.के. जैन ने उल्का पिंड और दुर्लभ पत्थर, आई बी पंत- सिक्के, तथा दयाराम मंडल, विमल पथोरिया और एच एस खान ने दुर्लभ डाक टिकटों का संग्रह प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर मानव संग्रहालय से शुरू की गई तीन बसों के लगभग डेढ़ सौ दर्शकों ने इस ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के दुर्लभ संग्रह का अवलोकन किया। सभी ने इस आयोजन की सराहना की। कुछ लोगों ने आश्चर्य व्यक्त किया कि भोपाल में ऐसा भी संग्रहालय है।

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी गुरुदेव से संबंधित अनेक चमत्कारिक एवं प्रेरणादायी घटनाएँ उस समय की हैं, जब वे सन 1992 में भोपाल के पुष्पा नगर क्षेत्र में निवास करते थे। उस कालखंड में असंख्य भक्तों ने दादाजी की दिव्य कृपा, अलौकिक अनुभूतियों तथा करुणामयी शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव किया। दादाजी का जीवन केवल उपदेशों तक सीमित नहीं था, बल्कि वे अपने भक्तों के दुःख, संकट और आने वाले कष्टों को स्वयं अपने ऊपर लेकर उन्हें विपत्तियों से बचाने का कार्य करते थे। यही कारण था कि उनके सानिध्य में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति श्रद्धा, विश्वास और आध्यात्मिक शांति से भर जाता था।

एक अत्यंत प्रेरणादायी प्रसंग दादाजी गुरुदेव के भोपाल स्थित पंचानन बिल्डिंग में संचालित वीडियो नेटवर्क की दुकान से जुड़ा हुआ है। एक दिन दादाजी के भक्त श्री ओम बाबू मिश्रा अत्यंत प्रेम एवं आग्रहपूर्वक दादाजी से बोले कि वे उनके घर पधारकर भजियों का प्रसाद ग्रहण करें। उस दिन मौसम अत्यंत वर्षामय था और तेज वर्षा हो रही थी। भक्त के स्नेह को स्वीकार करते हुए दादाजी ने शांत स्वर में कहा "ठीक है, चलते हैं।"

दादाजी अंतर्ज्ञानी थे। वे भली-भाँति जानते थे कि उनके भक्त के जीवन में एक बड़ी कठिनाई आने वाली है। अपनी दिव्य दृष्टि से उन्होंने अनुभव कर लिया था कि यदि उस संकट का प्रभाव सीधे भक्त पर पड़ेगा तो परिवार अत्यंत कष्ट में आ जाएगा। इसलिए उन्होंने अपनी अदृश्य आध्यात्मिक शक्ति से उस संकट को उसी क्षण अपने सामने ही शांत करने का संकल्प किया। दादाजी प्रायः अपने भक्तों के जीवन में आने वाले संकटों को सूक्ष्म रूप से पहले ही समाप्त कर देते थे, ताकि उनके भक्तों को बड़े दुःख का सामना न करना पड़े।

जब दादाजी ओम बाबू मिश्रा जी के घर पहुँचे, तब उनकी धर्मपत्नी ने अत्यंत श्रद्धा और प्रेम से गरमागरम भजिए बनाकर परोसना प्रारंभ किया। आश्चर्य की बात यह थी कि जैसे ही भजियों से भरी प्लेट टेबल पर रखी जाती, कुछ ही क्षणों में वह पूरी तरह खाली हो जाती। यह क्रम बार-बार चलता रहा। जितना बेसन घर में उपलब्ध था, सब समाप्त हो गया, परंतु भजियों का समाप्त होना मानो किसी अदृश्य लीला का संकेत था। परिवार आश्चर्यचकित भी था और

भावविभोर भी। इसके पश्चात उन्होंने श्रद्धापूर्वक दादाजी से निवेदन किया कि अब वे आटे के गुलगुले ग्रहण करें। प्रेम और भक्ति से तैयार किए गए गुलगुले भी उसी प्रकार कुछ ही समय में समाप्त होते चले गए। बार-बार परोसे जाने पर भी ऐसा प्रतीत होता था मानो कोई अदृश्य शक्ति उस प्रसाद को स्वीकार कर रही हो। अंततः जब घर का समस्त आटा भी समाप्त होने लगा, तब दादाजी ने करुणामयी स्वर में कहा "अब रहने दो, बहू थक गई होगी।"

दादाजी के इन वचनों में केवल संवेदना ही नहीं, बल्कि गहन आध्यात्मिक रहस्य भी छिपा था। वे अपने भक्तों के घर की परिस्थिति, उनकी सामर्थ्य और उनके भाव को भली-भाँति समझते थे। भक्तों के द्वारा प्रेमपूर्वक अर्पित अन्न को वे केवल भोजन के रूप में ग्रहण नहीं करते थे, बल्कि उस माध्यम से भक्तों के जीवन में उपस्थित नकारात्मकता, संकट और अशुभ प्रभावों को भी दूर कर देते थे।

गुरु कृपा का स्वरूप सामान्य बुद्धि से समझ पाना सरल नहीं होता। सच्चे गुरु अपने भक्तों के जीवन में आने वाले अनेक कष्टों को पहले ही समाप्त कर देते हैं। कई बार भक्त यह जान भी नहीं पाता कि उसके जीवन की कौन-सी बड़ी विपत्ति गुरु की कृपा से टल गई। गुरु केवल मार्गदर्शन ही नहीं करते, बल्कि अपने संरक्षण, आशीर्वाद और दिव्य शक्ति से शिष्य के जीवन को सुरक्षित एवं प्रकाशित भी करते हैं।

दादाजी गुरुदेव की कृपा का प्रभाव यही था कि उनके भक्त स्वयं को सदैव सुरक्षित, संरक्षित और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण अनुभव करते थे। उनके दर्शन मात्र से लोगों के मन में शांति का संचार होता था। दादाजी सदैव कहते थे कि श्रद्धा, विश्वास और सच्ची भक्ति से किया गया स्मरण कभी निष्फल नहीं जाता। गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण रखने वाले भक्त के जीवन में चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ क्यों न आएँ, गुरु कृपा उसे संभाल लेती है और अंततः उसका कल्याण ही करती है।

दादाजी गुरुदेव का सम्पूर्ण जीवन लोक कल्याण, मानव सेवा, आध्यात्मिक जागरण और भक्तों के दुःख निवारण के लिए समर्पित रहा। उनके द्वारा घटित ऐसी असंख्य दिव्य लीलाएँ आज भी भक्तों के हृदय में आस्था और विश्वास का दीप प्रज्वलित करती हैं। जय श्री दादाजी गुरुदेव

राजधानी की चर्चित संस्था प्रभात साहित्य परिषद द्वारा चेहरे विषय पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी की चर्चित संस्था प्रभात साहित्य परिषद द्वारा चेहरे विषय पर काव्य गोष्ठी का आयोजन हिन्दी भवन के नरेश मेहता कक्ष में वरिष्ठ साहित्यकार महेश प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में तथा वरिष्ठ साहित्यकार सुश्री कान्ति शुक्ला " उर्मि"के मुख्य आतिथ्य में एवं वरिष्ठ साहित्यकार श्री प्रदीप कश्यप के विशेष आतिथ्य में तथा चंद्रभान राही ने संचालन में किया गया. इस अवसर पर पिछली काव्य गोष्ठी की श्रेष्ठ चुनी रचना के लिये श्रीमती मधु लता शर्मा को सरस्वती प्रभा सम्मान से अलंकृत किया गया। गोष्ठी के आरम्भ में डॉ. प्रतिभा द्विवेदी ने सरस्वती वंदना का वाचन किया तदुपरांत हरि ओम सोनी ने पढ़ा " सियासी चालों को देर से समझोगे ,ये लोग हालात देखकर चेहरे बदल लेते हैं। वहीं मधु लता शर्मा ने पढ़ा " कितने ही चेहरे रोज़ मिलते हैं राहों में, कुछ ठहर जाते हैं दिल की पनाहों में.वहीं हीरालाल पारस ने पढ़ा " दर्पण को भी दे जाते धोखा, एक चेहरे में होते है कई चेहरे।. वहीं महेश प्रसाद सिंह ने पढ़ा " वोट ख़ातिर भली जनता को दगा दिये हैं, लोग असली चेहरे पर मुखौटा लगा लिये हैं. वहीं ऐस ऐन शर्मा ने पढ़ा " खूंखार दृष्टि ईरान की देखी देख देख वह घबराया, कई देशों के चेहरे झुक गये आटे दाल ने समझाया. वहीं रमेश नन्द ने पढ़ा " बहुत बदलाव आया है यहाँ अब तक, न गालियों में ही रौनक है न चेहरे पर ही पानी है. वहीं डा. अनिल शर्मा"मयंक" ने पढ़ा, किसी को नेता,किसी को मंत्री,लोग जिन्हें कहते हैं, एक चेहरे पे सौ सौ चेहरे,लगा के ये रहते हैं।। वहीं डा प्रतिभा द्विवेदी ने पढ़ा, उनके चेहरे पे रंग हजार नजर आते हैं,बदले बदले से वो हर बार नजर आते हैं।।वही चंद्रभान राही ने पढ़ा, विश्वास के साथ लगा विष से विश्वासघात प्राप्त होता है। वहीं नीता सक्सेना ने पढ़ा, दर्द आंखों से पिघलता है बताओ क्या करें,वक्त के चेहरे बदलते हैं बताओ क्या करें।।वहीं विरोनिका पीटर ने पढ़ा, तेरे चेहरे पर क्या लिखा था मैने कुछ गलत पढ़ लिया।।वहीं शोभा जोशी "साक्षी" ने पढ़ा ,मिलते हैं यहां अपने भी चेहरे बदल बदल के,वहीं शफी लोदी ,संत कुमार मालवीय ,वंदना अतुल जोशी सुरेश सोनपुरे,मनोज जैन मधुर आबिद काज़मी, ताहा अल हुसैनी , अशोक धमेंनिया,सुनील चतुर्वेदी, डा अशोक व्यास, एम. ए. मौखेरे, अशोक निर्मल आदि ने भाग लिया ।अंत में अशोक निर्मल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नामदेव समाज प्रांतीय निर्वाचन हेतु महामंत्री पद पर आम सहमति

- मध्य प्रदेश नामदेव समाज विकास परिषद के प्रांतीय निर्वाचन 2026-29 के अंतर्गत अध्यक्ष पद हेतु हुए चुनाव में राजेंद्र कुमार नामदेव जीते
- मध्य प्रदेश नामदेव समाज विकास परिषद के प्रांतीय निर्वाचन 2026-29 के अंतर्गत अध्यक्ष पद हेतु हुए चुनाव में राजेंद्र कुमार नामदेव, गाडरवारा ने 106 मतों से विजय प्राप्त की। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर भीकम सिंह नामदेव 246 मतों से विजयी घोषित हुए।
- महामंत्री पद पर आम सहमति बनने के कारण सुभाष चंद्र वर्मा, इंदौर को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।
- निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें परिषद के आजीवन एवं संरक्षक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए आज दोपहर 1 बजे से मतदान प्रारंभ जो शाम 6:00 बजे समाप्त हुआ, मत गणना शाम 7:00 बजे से प्रारंभ हुई।

मध्य प्रदेश नामदेव समाज विकास परिषद के प्रांतीय निर्वाचन 2026-29 के अंतर्गत महामंत्री पद हेतु नवीन नामदेव भोपाल द्वारा आम सहमति बनने पर श्री सुभाष चंद्र वर्मा (इंदौर) को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। वहीं अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद पर सहमति नहीं बनने के कारण रविवार, 17 मई 2026 को मतदान प्रक्रिया आयोजित की गई है।

निर्वाचन समिति के मुख्य चुनाव अधिकारी अजय कुमार नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए दो-दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

अध्यक्ष पद हेतु श्री राजेंद्र कुमार नामदेव (गाडरवारा), एवं अरुण नामदेव (गुना)जबकि कोषाध्यक्ष पद हेतु श्री भीकम सिंह नामदेव (भोपाल) एवं श्री ओ.पी. नामदेव (भोपाल) प्रत्याशी हैं।

उन्होंने बताया कि मतदान दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक नामदेव समाज सामुदायिक भवन में संपन्न कराया गया उपस्थित सभी प्रत्याशियों का मतदान किया गया उसके पश्चात ही मतदान पेटी मुख्य चुनाव अधिकारी एवं समस्त चुनाव अधिकारी एवं प्रत्याशियों के समक्ष पेटी सील की गई। सभी आजीवन एवं संरक्षक सदस्यों से निर्धारित समय से पूर्व परिसर में उपस्थित होकर मतदान किया, निर्वाचन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं

निष्पक्ष बनाने हेतु सामुदायिक भवन परिसर में सदस्य पंजीयन, पहचान सत्यापन, मतपत्र वितरण तथा मतदान कक्ष की व्यवस्था की गई। प्रवेश के समय मतदाताओं की पहचान सूची का मिलान आधार कार्ड अथवा अन्य वैध पहचान पत्र से किया गया। सत्यापन उपरांत ही सदस्यों को प्रवेश दिया जाएगा। मतदान पश्चात मतदाताओं का रिकॉर्ड निर्वाचन सूची में दर्ज किया गया।

परिषद के पंजीयन क्रमांक 3315/73 के अनुसार आजीवन एवं संरक्षक सदस्यों की कुल संख्या 3508 है। जिसमें से लगभग 1237 मतदाताओं ने मतदान किया उपस्थित सदस्य मतदान के माध्यम से अपने प्रांतीय पदाधिकारियों का चयन करेंगे।

निर्वाचन को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु तीन सहायक चुनाव अधिकारियों, तीन पर्यवेक्षकों एवं तीन सुरक्षा प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में भोपाल पुलिस एवं टीटी नगर थाना का सहयोग लिया जा रहा है।

निर्वाचन संचालन हेतु गठित चुनाव व्यवस्था समिति में प्रचार-प्रसार एवं मीडिया समन्वय की जिम्मेदारी सुचारू रूप से शिवरतन नामदेव निभा रहे हैं।

मुख्य चुनाव अधिकारी अजय कुमार नामदेव ने निर्वाचन समिति के सभी पदाधिकारियों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं तथा परिषद के समस्त आजीवन एवं संरक्षक सदस्यों से शांतिपूर्ण सहयोग की अपील की है।

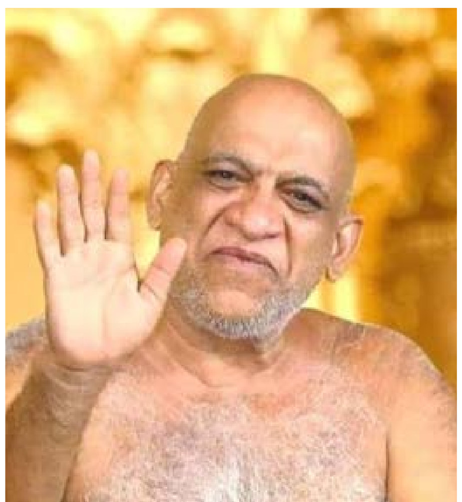

राजधानी में सुधा वृष्टि की तैयारी, राष्ट्र संत मुनि सुधा सागर महाराज के वर्षायोग के लिए प्रयासरत

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल जैन समाज भोपाल राष्ट्र संत मुनि सुधा सागर महाराज के चातुर्मास को लेकर भोपाल जैन समाज उत्साहित हे, चतुर्मास के लिए श्रीफल भेट करने सकल भोपाल जैन समाज से हजारों लोग जायेंगे, इस हेतु प्रोफेसर कॉलोनी जैन मंदिर परिसर में सभी मंदिर समितियां , विभिन्न सामाजिक संगठन सोशल ग्रुप सहित सभी प्रमुख संगठन की सकल जैन समाज राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के तत्वाधान में बैठक हुई, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया आगामी 24 मई रविवार को राजधानी से हजारों लोग बस एवं निजी वाहन से मुनि सुधा सागर महाराज को राजधानी में वर्षायोग हेतु श्री फल भेट करने जायेंगे , मुनि श्री का मंगल विहार मुंगावली से हुआ संभवतः 24 मई को मुनि श्री सा संघ तीर्थ बजरंगगढ़ गुना में रहेंगे बैठक में भोपाल के गुरु भक्तों ने बैठक में अपने अपने विचार रखे, इस अवसर पर समाज के मंदिर समितियों के साथ अनेक सामाजिक संगठन के लोग मौजूद थे।

फर्क उत्तर बनाम दक्षिण भारत

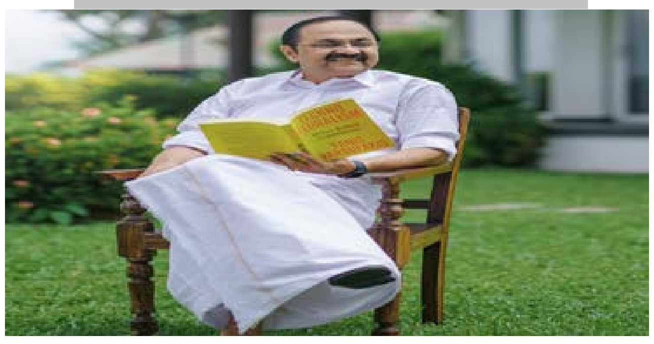

मुझे विश्वास नहीं हुआ। इसलिए मैंने खबर को कई तरह से चेक किया। खबर सच थी। भारत में एक ऐसा मुख्यमंत्री हुआ है, जो किताबें पढ़ता है! इनका नाम है वीडी सतीशन। केरल के नए मुख्यमंत्री। उन्होंने सन् 2025 में अपनी पढ़ी 60 किताबों की सूची सार्वजनिक की थी। उनमें अरुंधति रॉय, अमिताव घोष, गेब्रियल गार्सिया मार्केज़ पर संस्मरण, पर्यावरण, राजनीति, समाज और मनोविज्ञान की किताबें थीं। उन्होंने एक किताब 'The Menopause Brain' के बारे में कहा कि उससे महिलाओं को लेकर उनका नजरिया बदला। क्या यह आज के उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत का फर्क नहीं है? कांग्रेस जब राज में थी तब उत्तर भारत के नेता, प्रधानमंत्री भी किताबें पढ़ते थे। नेहरू की रात 11-12 बजे किताब पढ़ते-पढ़ते ही सोने की आदत थी। पीवी नरसिंह राव और डॉ. मनमोहन सिंह भी पढ़ते थे। मुझे उन मुख्यमंत्रियों के भी नाम याद हैं जो पढ़ने, लिखने, खुद फाइल नोट बनाने, डिक्टेट करने और फाइलों पर दस्तखत करते थे। वे किताबें पढ़ते थे और कईयों ने सचमुच अपने दिमाग से किताबें भी लिखीं, लिखवाई नहीं। तब भारत में राजनीतिक संस्कृति जिंदा थी। आज उत्तर भारत में किताब लगभग संदिग्ध वस्तु बन चुकी है। नेता जितना कम पढ़ता है, उतना "जमीन से जुड़ा" माना जाता है। नेता की पहचान अब उसके पढ़ने, उसकी बुद्धि से नहीं, उसकी भीड़ जुटाने की क्षमता से बनी होती है। तब आज जैसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री नहीं थे जो निरक्षर की तरह न नोट्स लिखते हैं, न खुद लिखकर फाइल पर निर्देश देते हैं और न ही फाइल पर दस्तखत करते हैं! मेरा मानना है 25-50 साल बाद जब प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के दस्तावेज अभिलेखागार के जरिए लोगों की पहुंच में होंगे तो दुनिया यह देख हैरान होगी कि बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न तो कभी किसी फाइल पर दस्तखत किए हैं, न कैबिनेट बैठकों में किसी संकट विशेष में मंत्रियों की बहस हुई। ले-देकर सारा काम, सारे दस्तखत उनकी ओर से प्रमुख सचिव, कैबिनेट सचिव और अफसरों के दस्तखतों और उनकी बनाई सपाट मिनट्स में अंकित हैं। अब प्रदेश मुख्यमंत्रियों के दफ्तरों से भी यह सुनने को मिल रहा है कि विभागों के डायरेक्टर, सचिव चैटजीपीटी को कमांड देकर पूछते हैं, बाकी राज्यों से तुलना की कमांड देकर एआई मशीन से नोट बनवाते हैं कि फलां मसले में हमारी सरकार क्या करे, इसका नोट बनाकर दें। अफसर फिर अपनी वाह बनवाते हुए उसे कैबिनेट में विचारार्थ रखवा देता है। और मंजूरी, नई नीति, योजना, आदेश का काम संपन्न। मतलब कैबिनेट बैठक में लीडर बोले (वैसे इसमें भी प्रमुख सचिव, कैबिनेट सचिव ब्रीफ दे देता है) और मंत्री गर्दन हिलाकर सहमति देते हैं। मतलब शासन का नया फैसला! तब मानिए भारत की व्यवस्था में वह दिन दूर नहीं जब भारत सरकार (मतलब विदेश, गृह, वित्त, रॉ, आईबी, राष्ट्रीय सुरक्षा आदि सहित पूरी भारत सरकार) पूरी तरह एआई, चैटजीपीटी एजेंट के अलग-अलग मॉडल से चलने लगे।

दक्षिण में नेता अपने बूते के!

तमिलनाडु में सिने अभिनेता विजय के मुख्यमंत्री बनने को उत्तर भारत में किस तरह समझा गया? ऐसे मानों विजय नाम का चेहरा ऐवें ही है। तमिल लोगों में फिल्मी दुनिया के लोगों के प्रति कैसी दीवानगी! लेकिन मेरा करुणानिधि, एमजीआर, जयललिता की राजनीति, उनके शासन की खबरों और चुनावी रैलियों-प्रचार को देखने के अनुभव का यह निचोड़ है कि तमिल मिजाज भले चटकदार लाल-काले रंग का हो, लेकिन भीड़ अपने भीतर संस्कृति का गर्व लिए होती है। वहां भाषा और पहचान की ढाल में सभ्यता अपने ही रंग में रंगी हुई है। नायकर, पेरियार, करुणानिधि, एमजीआर, जयललिता से लेकर स्टालिन व उनके बेटे उदयनिधि ने सामाजिक आंदोलन (याकि ब्राह्मण विरोधी, मंडलवादी सामाजिक न्याय) और सनातन को चाहे जितनी गालियां दी हों, लेकिन जरा तुलना करें उत्तर भारत के मंडलवादी लालू यादव बनाम तमिलनाडु के करुणानिधि की राजनीति के फर्क पर? तमिल मानस ने विविधता के भीतर सभी का स्थान बनाए रखा। नायकर-पेरियार के ही आंदोलन की पार्टी की ब्राह्मण मुख्यमंत्री जयललिता ने 'अम्मा' के नाते लंबा राज किया! इन सभी नेताओं की मूर्तियां बन गईं, लेकिन एक की भी समाज विभाजक जैसी नहीं। वही उत्तर भारत, गोबरपट्टी में क्या है? सिर्फ बंटना और बांटना। यह सत्य कटु है। लेकिन सोचें, गांधी से लेकर मोदी के अस्सी सालों पर? क्या उत्तर भारत के ही हिंदू बनाम मुस्लिम से देश विभाजित नहीं हुआ? फिर मंडल, कमंडल से आज समाज ऐसा विभाजित है, जिसकी वोटों की इंजीनियरिंग में शासन, राजनीति और चुनाव सब ठगी से तरबतर! देश विभाजन के लिए यूनाइटेड प्रोविंस (उत्तर प्रदेश) की हिंदू-मुस्लिम (कांग्रेस बनाम मुस्लिम लीग) राजनीति जिम्मेदार थी तो समाज विभाजन के लिए भी वीपी सिंह के समय का मंडल-कमंडल जिम्मेदार। सोचें, हिंदी राष्ट्रभाषा है लेकिन हिंदी भाषियों में हिंदी न आत्म-सम्मान की रीढ़ है और न संस्कृति की जिद। ऐसे फर्क उत्तर बनाम दक्षिण के साधु-संत, धर्म आचरण, धार्मिक उत्सवों, साफ-सफाई आदि तमाम पहलुओं में प्रकट हैं। उत्तर भारत भीड़, नारे, जुमले, धर्म, तेरे-मेरे, "हम बनाम वे", भय, भूख, भक्ति के उन भावों में लगातार जीता है, जिसके हर राष्ट्रवादी हुंकारे में दक्षिण भारत की भाषाएं, लोकभावनाएं छिटकती होती हैं।

-हरिशंकर व्यास

बीजिंग में बदल चुकी दुनिया का नज़ारा!

फिलहाल चीन ने टकराव को एक सीमा के अंदर रखने और उसे यथासंभव संभालने के लिए आपसी संबंध में 'रचनात्मक रणनीतिक स्थिरता' का फॉर्मूला भर दिया है। ये फॉर्मूला तभी तक कारगर रहेगा, जब तक अमेरिका चीन की लक्ष्मण रेखाओं का पालन करे। मगर, अमेरिका के लिए भी लंबे समय तक ऐसा करना कठिन होगा, क्योंकि उस स्थिति में चीन अपनी ताकत में बढ़ोतरी करता रहेगा, जिससे स्वतः दुनिया पर उसका प्रभाव बढ़ता जाएगा। आखिर अमेरिकी शासक वर्ग इसे कब तक बर्दाश्त करेंगे! चीन यात्रा के लिए डॉनल्ड ट्रंप का उत्साह अमेरिका के लिए भारी पड़ा। अब तक दुनिया में चर्चा थी कि चीन अपनी बढ़ती ताकत के साथ दुनिया पर अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती दे रहा है। ट्रंप की यात्रा के दौरान जाहिर हुआ कि चुनौती देने की बात पुरानी पड़ चुकी है- ताजा हकीकत यह है कि चीन अब अमेरिका से संबंध की शर्तें थोप रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ आधिकारिक वार्ता की शुरुआत में ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा- 'दुनिया में उस रूपांतरण की गति तेज हो रही है, जैसा बदलाव एक सदी में नहीं देखा गया।' (शी ने यह बात पांच-छह साल पहले कहनी शुरू की थी। इससे उनका तात्पर्य संभवतः यह रहा है कि रूस में बोल्शेविक क्रांति से दुनिया जैसे बदल गई थी, कुछ उसी तरह के प्रभाव वाली परिघटना से अभी हम गुजर रहे हैं) शी ने कहा- 'इस समय अंतरराष्ट्रीय स्थिति अस्थिर और उथल-पुथल से भरी हुई है। हम एक और चौराहे पर पहुंच गए हैं। क्या चीन और अमेरिका थुसिडाइड्स जाल (Thucydides Trap) से उबर सकते हैं और क्या वे बड़े देशों के बीच संबंध का नया प्रतिमान कायम कर सकते हैं।'

(प्राचीन ग्रीक इतिहासकार थुसिडाइड्स ने तत्कालीन युद्धों का अध्ययन किया था। ईसा पूर्व पांचवीं सदी में उन्होंने यह सिद्धांत विकसित किया कि जब किसी साम्राज्य का क्षय और नई शक्ति का उदय होता है, तो साम्राज्य आसानी से अपनी हैसियत का समर्पण नहीं करता। बल्कि अधिकांश मौकों पर नई उभरती शक्ति के साथ उसका युद्ध होता है।)

शी ने कहा: 'अमेरिका- चीन संबंध के बीच ताइवान सबसे महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। इसे ठीक से संभाला गया, तो द्विपक्षीय संबंध में कुल मिलाकर स्थिरता रहेगी। अन्यथा दोनों देशों के बीच टकराव और संघर्ष होंगे।' अपनी शुरुआती टिप्पणी में ही इन बातों के साथ शी ने चीन-अमेरिका संबंध के बीच 'रचनात्मक रणनीतिक स्थिरता' का अपना नजरिया पेश किया। इसका अर्थ उन्होंने बताया- संबंध में सहयोग के साथ सकारात्मक स्थिरता। बाद में रात्रि भोज के मौके पर शी ने कहा- 'मैं और राष्ट्रपति ट्रंप चीन-अमेरिका संबंध के बारे में रचनात्मक रणनीतिक स्थिरता की (constructive China-U|S| relationship of strategic stability) की नई दृष्टि पर सहमत हुए हैं। अगले तीन साल तक (ट्रंप के कार्यकाल में) और उसके आगे भी यह दृष्टि चीन-अमेरिका संबंधों का रणनीतिक मार्ग-निर्देशन करेगी।' अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े विश्लेषकों ने इस व्याख्या को ट्रंप की बीजिंग यात्रा का सार माना है। पूर्व बाइडेन प्रशासन में ह्वाइट हाउस नेशनल सिक्यूरिटी काउंसिल (NSC) के सदस्य रुष दोषी ने लिखा- 'चीन अब अमेरिका से संबंध के बारे में नए स्वरूप (frame) के साथ सामने आया है। चीन अपने लिए लाभदायक "युद्धविराम" कायम करना चाहता है, जिसे वह ट्रेड वॉर उपरांत संबंध की आधार-रेखा मानेगा। अब अमेरिका अगर चीन की अत्यधिक उत्पादन क्षमता या टकराव रोकने की दिशा में बढ़ेगा, तो चीन उसे नए स्वरूप का उल्लंघन बताएगा। अब तक चीन अमेरिका से अपने रिश्ते को प्रतिस्पर्धा बताता था, लेकिन अब इसे एक स्वीकार्य सीमा पर स्थिर रखने की बात कर रहा है।' इस सिलसिले में उल्लेखनीय है कि बीजिंग में जब अमेरिकी पत्रकारों ने ट्रंप से ताइवान के बारे में सवाल पूछा, तो उन्होंने चुप्पी साध ली। फिर ऐसा लगता है कि थुसिडाइड्स ट्रैप की बात तुरंत ट्रंप को समझ में नहीं आई। उन्होंने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। संभवतः बाद जब उन्हें इसका अर्थ समझाया गया, तब सोशल मीडिया पर उन्होंने जवाब दिया। लेकिन ये जवाब क्या है, उस पर गौर कीजिए- "जब राष्ट्रपति शी ने सुसज्जित रूप से (elegantly) अमेरिका को एक क्षयशील राष्ट्र बताया, तो वे उस भारी क्षति का जिक्र कर रहे थे, जो चार साल तक जो बाइडेन के शासनकाल में अमेरिका को हुई। इस बिंदु पर वे 100 फीसदी सही हैं।।।। दो साल पहले अमेरिका क्षयशील हालत में था और इस बात पर मैं राष्ट्रपति शी के साथ पूरी तरह सहमत हूं। पर अब अमेरिका दुनिया का सबसे चमकता देश है।" ये बातें अपने-आप जाहिर कर देती हैं कि ट्रंप की चीन यात्रा अमेरिका के रुतबे के लिए कितनी हानिकारक रही। जाहिर यह हुआ कि ट्रंप बिना कोई मकसद तय किए बीजिंग पहुंचे। अपने साथ देश के सबसे धनी कारोबारियों को वहां ले गए। कहा कि उनके लिए चीन के बाजार को खुलवाएंगे। लेकिन मुद्दा यह है कि चीन ने वो बाजार बंद ही कब किया था? चीन से कारोबार पर प्रतिबंध तो अमेरिका ने लगाए थे! अब बोइंग जैसी अमेरिकी कंपनियों को चीन से खरीदारी के कुछ नए ऑर्डर मिल जाते हैं, तो रणनीतिक या कूटनीतिक लिहाज से उन्हें भले ट्रंप अमेरिका की जीत के रूप पेश करें, लेकिन बाकी दुनिया उसे उस रूप में नहीं देखेगी।

गौरतलब है कि ट्रंप के बीजिंग पहुंचने से ठीक पहले वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए चीन की इन चार लक्ष्मण रेखाओं को स्पष्ट कर दिया था:

ताइवान का मसला
लोकतंत्र और मानव अधिकार
चीन की राजनीतिक व्यवस्था, एवं

चीन का विकास मार्ग

दूतावास ने कहा कि चीन-अमेरिका संबंधों के बीच की ये लक्ष्मण रेखाएं हैं, जिन्हें चुनौती नहीं दी जानी चाहिए। (इनके जरिए चीन ने यह संदेश दिया कि इन मुद्दों पर अब अमेरिका से कोई लेक्चर नहीं सुनेगा, जैसा पहले अमेरिकी अधिकारी चीन यात्रा के दौरान करते थे।)

उधर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार पीपुल्स डेली ने ट्रंप की यात्रा पर एक टिप्पणी प्रकाशित की, जिसका शीर्षक था: "चीन–अमेरिका संबंध अतीत में नहीं लौट सकते, लेकिन वे एक बेहतर भविष्य को अपना सकते हैं।" मोटे तौर पर इस टिप्पणी का आशय था:

चीन अमेरिका को चुनौती देने या उसका स्थान लेने की कोशिश नहीं करता। बल्कि वह एक समृद्ध और सफल अमेरिका का स्वागत करता है।

मगर चीन अपने वैध हितों की रक्षा पर अडिग है। अपने सिद्धांतों और अपनी सीमाओं पर दृढ़ रहते हुए चीन मानता है कि उसने कठोर मेहनत से शक्ति और अंतरराष्ट्रीय सम्मान अर्जित किया है। अमेरिका को इसका ख्याल रखना चाहिए।

दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप सोशल मीडिया पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तारीफ में कसीदे कढ़ते रहे। एलान करते रहे कि वे एक महान यात्रा पर जा रहे हैं। मगर अमेरिका में इस आशंका के गहराने के संकेत थे कि ईरान युद्ध में जाहिर हुई अमेरिका की कमजोरियों ने चीन का हौसला बढ़ा दिया है। अतः ट्रंप की इस यात्रा से दुनिया यह संदेश ग्रहण कर सकती है कि अमेरिका अब चीन पर दबाव डालने की हैसियत में नहीं है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट पॉलिटिको ने एक विश्लेषण में कहा:

चीन ने देखा है कि ईरान युद्ध में अमेरिका ने बड़ी मात्रा में अपना गोला-बारूद खर्च कर दिया है, जिसकी भरपाई वह बिना चीन की आपूर्ति श्रृंखला के नहीं कर सकता। इसके अलावा भी चीन ने ईरान युद्ध के कई संदेश ग्रहण किए हैः

उसने पेंटागन (अमेरिका के युद्ध मंत्रालय) में नेतृत्व एवं नियोजन की खामियां देख ली हैं
लंबा युद्ध चलाने में अमेरिका कितना कुशल है, इसे देख लिया है
उसने अमेरिकी संभार-तंत्र (logistics) भंडार की (कमजोर) स्थिति देख ली है
उसने देख लिया है कि अमेरिकी नौ सेना तभी अहम रोल में रहती है, जब तट से दूर रहे, और
उसने देखा है कि अमेरिकी अस्त्र भंडार की बहुचर्चित खूबियां अतिशयोक्तिपूर्ण हैं

(गौरतलब है कि ट्रंप की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कोई साझा विज्ञप्ति जारी नहीं हुई। चीन ने अलग से प्रेस वक्तव्य जारी किया, जिसमें ज्यादातर शी और ट्रंप की टिप्पणियों को शामिल किया गया। ह्वाइट हाउस ने बेहद छोटा बयान जारी किया। उसमें मादक पदार्थ फेंटानील का निर्यात रोकने और अमेरिका से अधिक तेल-गैस खरीदने के चीन के वादे का जिक्र है। साथ ही उसमें कहा गया कि चीन ने होरमुज जलडमरूमध्य से मुक्त नौवहन का समर्थन किया, वहां टोल टैक्स लेने के खिलाफ राय जताई और दोहराया कि वह ईरान के परमाणु क्षमता हासिल करने के खिलाफ है। लेकिन इन बातों का चीनी वक्तव्य में जिक्र नहीं हुआ। वैसे भी इन बातों का संदर्भ सैद्धांतिक भर है।)

खैर, इन बातों यह अर्थ यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि चीन अब अमेरिका को हलके से लेने लगा है। दुनिया का कोई गंभीर विश्लेषक ऐसी गलती सिर्फ अपनी ना-जानकारी या अति-उत्साह में ही कर सकता है। इसलिए कि अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें अमेरिका की शक्ति अभी बरकरार है। दुनिया का शक्ति संतुलन बात सिर्फ इस तथ्य से बदली है कि चीन ने अपनी अलग ताकत विकसित कर ली है, जिससे दुनिया के शक्ति संतुलन में गुणात्मक परिवर्तन आया है। इस सिलसिले में लेखक एवं 'China as a System' सबस्टैक के प्रकाशक लियोन लियाओ की इस पंक्तियों पर गौर करेः – 'अमेरिका के पास अब भी दुनिया की सबसे मज़बूत सैन्य व्यवस्था, डॉलर प्रणाली, पूंजी बाज़ार, विश्वविद्यालय नेटवर्क, प्रौद्योगिकी कंपनियां, तथा खुफ़िया और सुरक्षा गठबंधनों की ताकत है। उसकी प्रभुत्वकारी शक्तियां समाप्त नहीं हुई हैं। कई क्षेत्रों में वे इतनी गहराई से जमी हुई हैं कि उन्हें बेदखल करना कठिन है। जब वैश्विक वित्तीय संकट होता है, तो दुनिया अब भी अमेरिकी सेंट्रल बैंक- फेडरल रिजर्व की ओर देखती है। जब यूरोपीय सुरक्षा पर दबाव होता है, तो दुनिया अब भी NATO और अमेरिका की ओर देखती है। उन्नत कंप्यूटर चिप्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई फाउंडेशन मॉडल, सेमी-कंडक्टर उपकरण, डॉलर क्लियरिंग, वित्तीय प्रतिबंध की ताकत और सैन्य गठबंधन अब भी अमेरिकी नेतृत्व वाली प्रणाली में गहरे रूप से मौजूद हैं।

।।।। मगर चीन की शक्ति अलग ढंग से प्रकट होती है। चीन दुनिया को मुख्यतः वैश्विक सैन्य ठिकानों और सैन्य गठबंधन से संगठित नहीं करता। वह दुनिया को अपनी विनिर्माण क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की योग्यता, आपूर्ति श्रृंखला की गहराई, पूंजीगत वस्तुओं के निर्यात, अक्षय ऊर्जा उद्योग, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स, इंजीनियरिंग डिलीवरी, व्यापार नेटवर्क, और ग्लोबल साउथ के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से प्रभावित करता है। चीन कई देशों के लिए उद्योगीकरण, अक्षय ऊर्जा की ओर संक्रमण, इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार, उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति और पूंजीगत वस्तुओं की सप्लाई का केंद्रीय स्रोत बन गया है। कई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए चीन कोई अमूर्त भू-राजनीति भर नहीं है। वह बंदरगाह, रेलमार्ग, विद्युत ग्रिड आदि के निर्माण, तथा सौर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन, दूरसंचार उपकरण, निर्माण मशीनरी, औद्योगिक उपकरण और कम लागत वाली उपभोक्ता वस्तुओं का स्रोत है।'

मतलब यह कि अमेरिका और चीन दुनिया को संगठित करने के दो अलग-अलग तरीकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अमेरिका सुरक्षा–वित्त–गठबंधन व्यवस्था का प्रतिनिधि है, जबकि चीन उत्पादन–व्यापार–इन्फ्रास्ट्रक्चर व्यवस्था के जरिए दुनिया से जुड़ता गया है। और यही वजह है कि जी-2 जैसी व्यवस्था का बनना संभव नहीं है। यानी ऐसी व्यवस्था, जिसे अमेरिका और चीन मिल कर चलाएं। उल्लेखनीय है कि पिछले अक्टूबर में दक्षिण कोरिया के बुसान में शी जिनपिंग से मुलाकात के पहले डॉनल्ड ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में फिर से जी-2 का उल्लेख किया था। तब उन्होंने कहाः जी-2 की जल्द ही मुलाकात होने जा रही है।

मगर ऐसी कोई व्यवस्था तभी कारगर हो सकती है, जब उसके उद्देश्य पर बुनियादी आम सहमति हो। चीन और अमेरिका के बीच आम सहमति बनना तो दूर, बुनियादी मसलों पर मतभेद चौड़े होते जा रहे हैं। अमेरिकी दस्तावेज अब भी वैश्विक नेतृत्व, सैन्य गठबंधन, वॉशिंगटन में तय किए गए नियमों पर आधारित व्यवस्था, विभिन्न देशों के बीच पदानुक्रम (hierarchy) और सिक्युरिटी कवरेज की भाषा से भरे रहते हैं। इसके विपरीत चीन की आधिकारिक भाषा बहुध्रुवीयता, संप्रभु समानता, विकास का अधिकार, हस्तक्षेप-निषेध और ग्लोबल साउथ के सहयोग पर ज़ोर देती है।

दरअसल, अमेरिका को चिंता इस बात की रही है कि चीन उसके द्वारा स्थापित व्यवस्था को बदल रहा है। इसी कारण पूर्व बाइडेन प्रशासन ने अपने सुरक्षा रणनीति दस्तावेज में चीन को revisionist power कहा था। अब तक अमेरिका की यह शिकायत थी कि कि चीन बिना कहे अमेरिका केंद्रित विश्व ढांचे को बदलने के प्रयास में है। ट्रंप की यात्रा की खासियत यह रही कि इस दौरान चीन ने ये बात खुल कर अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने कह दी!

इस पृष्ठभूमि के मद्देनजर चीन और अमेरिका के बीच टकराव को खत्म करना असंभव है। फिलहाल चीन ने टकराव को एक सीमा के अंदर रखने और उसे यथासंभव संभालने के लिए आपसी संबंध में 'रचनात्मक रणनीतिक स्थिरता' का फॉर्मूला भर दिया है। ये फॉर्मूला तभी तक कारगर रहेगा, जब तक अमेरिका चीन की लक्ष्मण रेखाओं का पालन करे। मगर, अमेरिका के लिए भी लंबे समय तक ऐसा करना कठिन होगा, क्योंकि उस स्थिति में चीन अपनी ताकत में बढ़ोतरी करता रहेगा, जिससे स्वतः दुनिया पर उसका प्रभाव बढ़ता जाएगा। आखिर अमेरिकी शासक वर्ग इसे कब तक बर्दाश्त करेंगे!

-सत्येन्द्र रंजन

राजनीति का फर्क हर क्षेत्र में दिखता है!

उत्तर भारत की गोबरपट्टी और दक्षिण का अंतर जीवन के हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। राजनीति और नेताओं की वजह से कितना अंतर आ जाता है इसको शिक्षा और संस्कृति के मामले में देख सकते हैं तो आर्थिक, औद्योगिक विकास में भी देख सकते हैं। जनसंख्या नियंत्रण एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें यह अंतर सबसे ज्यादा है। उत्तर भारत के हिंदी भाषी राज्यों में इस बात का रोना है कि आबादी बहुत ज्यादा है और इसलिए लोकसभा व विधानसभा की सीटें ज्यादा चाहिए। सोचें, ज्यादा सांसद और विधायक बना देने से जैसे बड़ी आबादी का कल्याण हो जाएगा! आबादी ज्यादा है तो स्कूल और अस्पताल ज्यादा होने चाहिए, डॉक्टर और शिक्षक ज्यादा होने चाहिए, हवाईअड्डे और रेलवे स्टेशन ज्यादा होने चाहिए, सरकारी कर्मचारियों की संख्या ज्यादा होनी चाहिए और रोजगार के अवसर ज्यादा होने चाहिए।

लेकिन उसकी मांग नहीं होती है। मांग हो रही है कि परिसीमन करके सांसदों और विधायकों की संख्या बढ़ाई जाए। दूसरी ओर दक्षिण भारत के राज्यों ने आबादी पर नियंत्रण किया और आर्थिक व औद्योगिक विकास ज्यादा किया तो उनके यहां रोजगार और प्रति व्यक्ति आमदनी से लेकर हर तरह की खुशहाली है। लेकिन इस आधार पर उनकी राजनीतिक ताकत कम करने की कोशिशें चल रही हैं। बहरहाल, नेताओं की सोच अलग होने और राजनीति अलग होने का एक सबूत यह भी है कि अखिल भारतीय परीक्षाओं में जहां आए दिन पेपर लीक होते हैं और परीक्षा केंद्र मैनेज किए जाते हैं वहीं दक्षिण में ऐसी घटनाएं शायद ही कभी सुनने को मिलें। वहां शिक्षा को पवित्र माना जाता और उसकी शुचिता का ख्याल रखा जाता है। वहां लोगों को सुंदर पिचाई और सत्या नडेला पैदा करना होता है। पेपर लीक करने के मास्टरमाइंड हिंदी पट्टी में पाए जाते हैं। अभी मेडिकल में दाखिले की नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ। बताया गया कि केरल से पेपर लीक हुआ है।

जांच हुई तो पता चला कि राजस्थान का एक छात्र जो केरल में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था उसने क्वेश्चन बैंक अपने किसी जानकार को भेजा था। उस क्वेश्चन बैंक में तीन सौ सवाल थे,

जिनमें से डेढ़ सौ सवाल हूबहू नीट के पेपर में आ गए। इससे पहले 2024 में भी नीट का पेपर लीक हुआ था तो उसका केंद्र बिहार और झारखंड में था और परीक्षा केंद्र मैनेज करने का काम गुजरात के गोधरा में हो रहा था। सोचें, जब से नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक देश, एक शिक्षा का नारा देकर एनटीए के जरिए परीक्षाओं का आयोजन शुरू किया है, आए दिन कुछ न कुछ गड़बड़ी होती है। तमिलनाडु सरकार लगातार इसका विरोध करती रही है। तमिलनाडु का कहना है कि उनके यहां पहले की तरह अपनी बोर्ड परीक्षा के आधार पर मेडिकल कॉलेजों में दाखिला देने दिया जाए। दक्षिण भारत के सभी राज्यों ने अपने यहां शानदार मेडिकल कॉलेज बनाए हैं और पढ़ाई की बहुत अच्छी व्यवस्था की है। इंजीनियरिंग में भी इन राज्यों का प्रदर्शन देश के बाकी हिस्सों से बेहतर रहा। तभी अमेरिका की सिलिकन वैली में भी भारत की पहचान इन्हीं राज्यों के पेशेवरों की वजह से है।

सभी राज्यों ने अपने को किसी न किस खास क्षेत्र में अपनी तरह का मॉडल बना कर विकास किया। केरल सौ फीसदी साक्षरता और शानदार मेडिकल फैसिलिटी वाला प्रदेश है और यह कोरोना काल में दिखा भी था। कोविड महामारी का सबसे बेहतर प्रबंधन अगर किसी राज्य में किया तो वह केरल था। लेकिन ऐसा नहीं है कि बाकी राज्य पीछे थे। गोबरपट्टी की तरह दक्षिण के राज्यों में ऑक्सीजन की कमी से तड़पते लोगों की हृदयविदारक तस्वीरें नहीं आ रही थीं। लावारिस लाशें वहां की पवित्र नदियों में नहीं बहाए जा रहे थे। यह भी ध्यान रखने की जरुरत है। उनके यहां कावेरी, कृष्णा, गोदावरी जैसी अनेक पवित्र नदियां हैं लेकिन किसी नदी की वैसी दुर्दशा नहीं है, जैसी गोबरपट्टी में गंगा, यमुना जैसी नदियों की है।

वहां लोग अपनी भाषा, संस्कृति के साथ साथ अपनी नदियों का भी ख्याल रखते हैं। केरल ने स्वास्थ्य सुविधाओं में ऐसा विकास किया है कि वहां की लाखों नर्सें देश और दुनिया के अलग अलग हिस्सों में काम करती हैं। वहां इससे फर्क नहीं पड़ता है कि पांच साल के बाद किसकी सरकार आएगी। 2021 के चुनाव को छोड़ दें तो केरल में हर पांच साल में सत्ता बदलती रहती है और यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि ज्यादा समय तक डबल इंजन की सरकार नहीं रही है। फिर भी केरल विकसित होता रहा। केरल की नहीं, बल्कि दक्षिण भारत के ज्यादातर राज्य इस डबल या ट्रिपल इंजन की सरकार के मिथक को तोड़ते हैं।

इन राज्यों में डबल इंजन की सरकार नहीं होने के बावजूद प्रति व्यक्ति शिक्षकों, डॉक्टरों, अस्पताल के बेड आदि की उपलब्धता बाकी राज्यों से ज्यादा है। प्रति व्यक्ति आमदनी में भी ये राज्य काफी आगे हैं। ऐसा राजनीति और नेताओं के फर्क की वजह है। इन राज्यों में चाहे जिस पार्टी की सरकार बने और चाहे जो मुख्यमंत्री बने। उसका पहला लक्ष्य अपने राज्य के लोगों का विकास करना होता है। वे इस सूत्र वाक्य के साथ राजनीति करते हैं कि हमारे राज्य की जनता का जीवन अच्छा हो। राजनीतिक सोच के इस फर्क की वजह से दक्षिण के राज्यों ने हर क्षेत्र में ज्यादा विकास किया है।

-हरिशंकर व्यास

रूस के नए 2 सीट वाले स्टील्थ फाइटर से दुनिया में हलचल, ड्रोन-कमांड वाला Su-57D बदलेगा भारत-चीन की एयर पावर बैलेंस

एजेंसी मॉस्को

रूस के Su-57 स्टील्थ फाइटर जेट के नए वेरिएंट ने हथियारों के वैश्विक बाजार का ध्यान खींचा है। रूस ने इसका एक सीमित परीक्षण किया है। इससे संकेत मिलता है कि रूस ने भविष्य के मानवयुक्त-मानवरहित हवाई युद्ध तंत्र में एक बिल्कुल नया चरण शुरू कर दिया है। पांचवीं पीढ़ी के इकोसिस्टम में इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इससे यूरेशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा पर असर होगा। खासतौर से भारत और चीन इससे प्रभावित हो सकते हैं। डिफेंस सिक्योरिटी एशिया के मुताबिक, रूस के Su-57D को मानव-मानवरहित सहयोगी अभियानों के केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। इसका विकास रूस की निर्यात महत्वाकांक्षाओं, भारत की लड़ाकू विमान आधुनिकीकरण और छठी पीढ़ी के युद्ध सिद्धांतों को लेकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा से सीधे तौर पर जुड़ा है।

Su-57 का अपग्रेड वर्जन रूसी सैन्य-संबंधी टेलीग्राम चैनलों ने इस विमान (Su-57D) को उन्नत दो सीटों वाले Su-57 संस्करण के रूप में वर्णित किया है। इसमें बेहतर स्टील्थ क्षमता, उन्नत एवियोनिक्स आर्किटेक्चर और भविष्य की जरूरत के हिसाब से युद्ध क्षमता है। चर्चा है कि रूस ने अपने इस नवीनतम स्टेल्थ विमान के विकास का पहला उड़ान चरण शुरू किया है। दो सीटों वाले पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ प्लेटफॉर्म का विकास प्रमुख सैन्य शक्तियों के बीच तेज होते सैद्धांतिक बदलाव को दिखाता है। यह बदलाव हवाई कमान संरचनाओं की ओर हो रहा है। इसमें विमान की अकेले की प्रदर्शन क्षमता के बजाय मानव-मशीन तंत्रों पर निर्भरता बढ़ने से विमान की उत्तरजीविता (सर्वाईवेबिलिटी) सुनिश्चित होती है।

हिंद-प्रशांत में महत्व डिफेंस एक्सपर्ट का मानना है कि हिंद-प्रशांत और यूरेशियाई में Su-57D की कहानी का विशेष महत्व है। यह मॉस्को के प्रयास को दिखाता है। इसके तहत वह भविष्य के स्वायत्त युद्ध वातावरण के लिए अनुकूल नेटवर्क-केंद्रित बल संरचनाओ के जरिए से पारंपरिक लड़ाकू विमानों के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में बड़ी छलांग लगाना चाहता है। रूसी रिपोर्टों से पता चलता है कि दो सीटों वाले Su-57 के इस वेरिएंट ने सत्यापित पहली उड़ान के बजाय जमीनी रोलिंग और टैक्सी परीक्षण किए हैं। टैक्सी परीक्षण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उच्च जोखिम वाली उड़ान सीमाओं के अनुमेय होने से पहले विमान के संचालन, सिस्टम एकीकरण, ब्रेकिंग प्रदर्शन और प्रारंभिक वायुगतिकीय आकलन को मान्य करता है। रूस के नए विमान का नाम रूसी विमानन रिपोर्टिंग से पता चलता है कि यह विमान पूरी तरह से नए सिरे से तैयार किए गए उत्पादन डिजाइन के बजाय पहले के प्रोटोटाइपों से विकसित एक संशोधित प्लेटफॉर्म है। रूसी चर्चाओं में इसके Su-57D, Su-57UB और Su-57ED सहित कई संभावित पदनाम सामने आए हैं। Su-57D नाम दो-सीट के लिए रूसी शब्द को संदर्भित करता है। Su-57UB पारंपरिक रूप से सोवियत और रूसी विमानन इतिहास में प्रयुक्त युद्ध प्रशिक्षण पदनामों के अनुरूप है। Su-57ED एक संभावित निर्यात-केंद्रित नाम हो सकता है जो विशेष रूप से विदेशी ग्राहकों के लिए बनाया गया है।

भारत पर कैसे होगा असर रूस ने भारत को Su-57 ग्राहक के रूप में देखा है। रूस ने स्थानीय उत्पादन, तकनीक ट्रांसफर और व्यापक औद्योगिक भागीदारी से संबंधित प्रस्तावों का विस्तार किया है, जिसमें संभावित रूप से सौ से अधिक विमान शामिल हैं। लड़ाकू विमानों की खरीद से संबंधित प्रौद्योगिकी पहुंच और एकीकरण लचीलेपन के बारे में भारत की लंबे समय से चली आ रही चिंता इससे दूर हो सकती है। Su-57 की दो-सीट वाली पहल प्रतिबंधों और युद्धकालीन दबावों के बावजूद लगातार प्रतिस्पर्धी होते जा रहे वैश्विक स्टेल्थ फाइटर बाजार में अपना प्रभाव बनाए रखने के प्रयासों को दर्शाती है। यह विशेष रूप से भारत जैसे उन देशों को लक्षित करता है, जो रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं और पश्चिमी प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम के कड़े नियंत्रण पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं।

तुर्की की 6,000 किमी रेंज की बैलेस्टिक मिसाइल, अमेरिकी एक्सपर्ट ने भारत को चेताया, एर्दोगन करेंगे कश्मीर में गड़बड़

एजेंसी अंकारा

तुर्की ने हाल ही में इस्तांबुल में रक्षा और एयरोस्पेस प्रदर्शनी में अपनी नई यिल्दिरिमहान इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का अनावरण किया है। मिसाइल का परीक्षण इस साल के आखिर में किया जाएगा। तुर्की का कहना है कि यह मिसाइल मैक 25 की गति से 3,000 किलोग्राम वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। तुर्की के दावे सही हैं तो यह मिसाइल यूरोप, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और भारत को निशाना बना सकती है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा है कि यह भारत के लिए चिंता का सबब है क्योंकि तुर्की प्रेसिडेंट रेसेप तैयप एर्दोगन ने पश्चिम एशिया से आगे बढ़ते हुए कश्मीरी अलगाववादी आंदोलन को अपना मुद्दा बना लिया है। विदेश नीति के जानकार माइकल रुबिन ने संडे गार्डियन में अपने लेख में कहा है कि भारतीय अधिकारियों को तुर्की से यह सवाल पूछना चाहिए कि उनको इतनी लंबी मारक क्षमता की मिसाइल की जरूरत क्यों है। तुर्की के प्रतिद्वंद्वी- ग्रीस, साइप्रस, इजरायल, मिस्र, आर्मेनिया और ईरान तो पहले ही उसकी टायफून मिसाइलों की मारक सीमा के भीतर आते हैं। रुबिन का कहना है कि अपनी सीमाओं के पास हमला करने के लिए ICBM विकसित नहीं की जाती है। इस बात की संभावना नहीं है कि तुर्की को आइसलैंड या इंडोनेशिया पर हमले की जरूरत पड़ेगी। नाटो सदस्य होने के नाते तुर्की को रूस का मुकाबला करने के लिए अपनी खुद की लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में भारत ही तुर्की का संभावित लक्ष्य बचता है। रेसेप तैयप एर्दोगन ने इस्तांबुल मेयर और तुर्की के राष्ट्रपति के तौर पर खुद को 'इस्लामी शासन' को बढ़ावा देने वाले के तौर पर पेश किया है। वह खुद को शरिया का सेवक बता चुके हैं। तुर्की में मजबूत होने के बाद से एर्दोगन ने दुनिया में अपनी महत्वाकांक्षा दिखाई है। उन्होंने ना सिर्फ पश्चिम एशिया में पैर फैलाए हैं बल्कि एशिया पर भी नजर जमा रखी है। रुबिन का दावा है कि एर्दोगन की इस्लामी महत्वाकांक्षा पश्चिम एशिया से आगे बढ़ते हुए कश्मीरी अलगाववादी आंदोलन तक आ गई हैं। उनका मानना है कि कश्मीरी में अलगाववाद और आतंकवाद जायज है। साल 2020 में एर्दोगन ने जोर देकर कहा था कि कश्मीर हमारे लिए उतना ही नजदीक है जितना तुर्की हमारे लिए है। एर्दोगन ने कश्मीर को एक ज्वलंत मुद्दा बताया है। तुर्की ने कश्मीरी छात्रों को स्कॉलरशिप देना बढ़ा दिया है ताकि उन्हें तुर्की-शैली के इस्लामी विचारों में ढाला जा सके और शायद उन्हें सैन्य प्रशिक्षण भी दिया जा सके। एर्दोगन जिस तरह से नव-ओटोमनवाद को बढ़ावा देते हैं, उसी तरह वे इसमें विश्वास रखते हैं कि भारत पर मुसलमानों का शासन होना चाहिए। हालिया समय में कश्मीर को लेकर तुर्की के बयानों में नरमी देखी गई है। इसे किसी बड़े तूफान से पहले की शांति भी कहा जा सकता है। तुर्की शायद भारत पर सीधे हमला ना करे लेकिन वह पाकिस्तान की रक्षा और कश्मीर से जुड़े आतंकी गुटों के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई को रोकने के लिए अपनी मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है।

रूस पर यूक्रेन के ड्रोन हमलों की चपेट में आए भारतीय, मॉस्को में 1 की मौत, तीन घायल

एजेंसी मॉस्को

रूस की राजधानी मॉस्को में रविवार को यूक्रेन ने भीषण हमला किया है। यूक्रेन के ड्रोन हमलों की चपेट में भारतीय भी आए हैं। इन हमलों में एक भारतीय श्रमिक की मौत हो गई है जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं। रूस में भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि की है। दूतावास ने बताया है कि घायल श्रमिकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों से भारतीय दूतावास के अफसरों ने संपर्क साधा है। भारतीय दूतावास के अधिकारी घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचकर अस्पताल में भर्ती भारत के मजदूरों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना है। भारतीय मिशन ने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह स्थानीय प्रशासन और संबंधित कंपनी के संपर्क में है ताकि प्रभावित लोगों को हर जरूरी मदद दी जा सके। दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मॉस्को क्षेत्र में हुए ड्रोन हमलों में एक भारतीय श्रमिक की जान चली गई और तीन अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने घायलों से मुलाकात की है और उनको सभी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। रूसी राजधानी पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए गए हैं रूसी अधिकारियों की ओर से रविवार को आए बयान में कहा गया है कि रातभर चले हमलों में तीन लोगों की मौत हुई है और 12 से अधिक घायल हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि हमले के दौरान शहर की तेल रिफाइनरी सुरक्षित रही लेकिन कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन अपने शहरों पर हो रहे हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहा है। हमने रूस की आक्रामकता का जवाब दिया है। रूस की ओर से युद्ध लंबा खींचा जा रहा है और हमारे शहरों को निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों के जवाब में हमारी कार्रवाई पूरी तरह जायज है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि पिछले 24 घंटों में देशभर में 500 से ज्यादा यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए, जिनमें मास्को भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने मास्को क्षेत्र पर हमले को रूस की सैन्य कार्रवाई का जवाब बताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन अपने शहरों पर हो रहे हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहा है और रूस को युद्ध समाप्त करना चाहिए। जेलेंस्की ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा कि रूस की ओर से युद्ध को लंबा खींचने और हमारे शहरों पर हमलों के जवाब में हमारी कार्रवाई पूरी तरह जायज है। इस बार यूक्रेन के लंबी दूरी के ड्रोन मास्को क्षेत्र तक पहुंच गए। हम रूसियों से साफ कह रहे हैं कि ये जंग खत्म करो। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी, 2022 से लड़ाई चल रही है।

स्वीडन पहुंचे PM मोदी का एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत, हवा में स्वीडिश लड़ाकू विमानों ने किया 'सलाम'

एजेंसी स्टॉकहोम

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को स्वीडन के दौरे पर पहुंच गए हैं। नीदरलैंड की यात्रा पूरी करने के बाद वह स्वीडन पहुंचे हैं। पीएम मोदी स्वीडन के गोथेनबर्ग हवाई अड्डे पर उतरे। नरेंद्र मोदी का स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इससे पहले स्वीडन के एयर स्पेस में स्वीडन में प्रवेश करते समय स्वीडिश ग्रिपेन लड़ाकू विमानों ने पीएम मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया। नरेंद्र मोदी छह दिन की विदेश यात्रा पर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी इस समय पांच देशों की यात्रा पर हैं। मोदी ने अपने दौरे की शुरुआत शुक्रवार को यूएई की विजिट के साथ की थी। इसके बाद वह नीदरलैंड गए और रविवार को यात्रा के तीसरे पड़ाव पर स्वीडन पहुंचे हैं। पीएम मोदी 17 से 18 मई तक स्वीडन में रहेंगे। स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन के निमंत्रण पर मोदी यह दौरा कर रहे हैं। स्वीडन के बाद वह नॉर्वे और इटली जाएंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी की स्वीडन की यह यात्रा आठ साल बाद हो रही है। इससे पहले उन्होंने 2018 में पहले इंडिया-नॉर्डिक समिट के दौरान स्वीडन का दौरा किया था। इस दौरे पर भारत और स्वीडन के बीच ग्रीन ट्रांजिशन, डिफेंस, व्यापार, निवेश और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अहम समझौते होने की उम्मीद है।

पीएम नरेंद्र मोदी स्वीडन में ईयू प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ यूरोपीय बिनेस लीडर्स के एक फोरम को संबोधित करेंगे। इस यात्रा के दौरान नरेंद्र मोदी भारत और स्वीडन व्यापार, इनोवेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती टेक्नोलॉजी पर व्यापक चर्चा करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के संबंधों को बेहतर करने पर बात होगी। पीएम मोदी के इस दौरे में भारत को स्वीडन के माध्यम से यूरोपीय संघ के साथ अपने जुड़ाव की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा। नरेंद्र मोदी स्वीडन के क्रिस्टर्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसमें द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे को शामिल किया जाएगा। बैठक में व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वीडन के लिए रवाना होते हुए नीदरलैंड में मिले सम्मान के लिए धन्यवाद कहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और नीदरलैंड के संबंधों को नई गति मिली है। दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के साथ जल संसाधन, सेमीकंडक्टर, रक्षा, सतत विकास और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य की एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा तैयार की है।

FBI जेट, 50000 डॉलर का सुइट, काश पटेल ने गर्लफ्रेंड को म्यूजिक कंसर्ट दिखाने के लिए दिया लग्जरी ट्रीटमेंट, विवाद

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी FBI के डायरेक्टर एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। भारतीय मूल के काश पटेल पर आरोप है कि उन्होंने अपनी आधिकारिक यात्रा को गर्लफ्रेंड के साथ लग्जरी टूअर में बदल दिया। पटेल पर ब्यूरो के संसाधनों को निजी काम के लिए इस्तेमाल करने को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। पटेल पर अपनी गर्लफ्रेंड को एक म्यूजिक कंसर्ट में ले जाने के लिए FBI के जेट प्लेन का इस्तेमाल करने का आरोप है। 46 साल के काश पटेल ने 10 मई 2025 को अपनी 27 वर्षीय गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विलकिंस के साथ FBI के गल्फस्ट्रीम वी जेट वॉशिंगटन से फिलाडेल्फिया तक उड़ान भरी। पटेल वहां एक म्यूजिक कंसर्ट में शामिल होने गए थे और उसी रात वापस लौट आए।

रिपोर्ट के अनुसार, इस जोड़े ने 35000 से 50000 डॉलर की कीमत वाले एक प्राइवेट सुइट से जॉर्ज स्ट्रेट और क्रिस स्टेपलटन का परफॉर्मेंस देखा। इस दौरान FBI की फ्लाइट का क्रू और सुरक्षाकर्मी पटेल और उनकी गर्लफ्रेंड के इंतजार में रात 11 बजे तक ड्यूटी पर तैनात रहे। इस दौरान उन्हें ओवरटाइम का भुगतान दिया गया। पटेल ने इन आरोपों पर न्यूयॉर्क टाइम्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। ये आरोप पटेल की यात्राओं और FBI के संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर विवादों को बढ़ाने वाले हैं। उनकी आधिकारिक यात्राओं में उनके गर्लफ्रेंड के शामिल होने को लेकर रिपोर्टों में चिंता जताई गई है।

इसके कुछ दिन पहले ही पटेल पर्ल हार्बर में मेमोरियल के पास VIP स्नोर्कल सैर को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। इस जगह पर 1941 के हमले में मारे गए अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। समाचार एजेंसी की इस रिपोर्ट में किए दावे का FBI के प्रवक्ता बेन विलियमसन ने खंडन किया था। उन्होंने X पर लिखा कि एपी ने इस यात्रा को गलत तरीके से पेश किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक आधिकारिक यात्रा थी।

अंटार्कटिका से कैसे अलग हुआ था भारत, लाखों वर्ष पुरानी चट्टानों के अध्ययन से खुलासा

एजेंसी सियोल

भारत लाखों साल पहले अंटार्कटिका का हिस्सा हुआ करता था। वैज्ञानिकों ने एक नई स्टडी में पाया है कि लाखों साल पहले ये महाद्वीप एक-दूसरे से अलग हुए थे, उससे पहले भारत और अंटार्कटिका एक विशाल प्राचीन पर्वत श्रृंखला के जरिए आपस में जुड़े हुए थे। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम-सालूर इलाके की प्राचीन चट्टानों के अध्ययन से पता चलता है कि उनमें और पूर्वी अंटार्कटिका में पाई जाने वाली चट्टानों में काफी समानता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन नतीजों से इस बात की पुष्टि होती है कि पूर्वी भारत और अंटार्कटिका कभी एक ही भूवैज्ञानिक प्रणाली का हिस्सा थे, जिसे रेनर ईस्टर्न घाट ओरोजेन कहा जाता है। यह रिसर्च भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने की है। उन्होंने ग्रैनुलाइट का अध्ययन किया, जो एक तरह की मेटामॉर्फिक चट्टानें हैं। ये पृथ्वी के बहुत अंदर बहुत ज्यादा गर्मी और दबाव में बनती हैं। ये चट्टानें उन घटनाओं के सुराग सहेजकर रखती हैं, जो अरबों साल पहले हुई थीं। कोलकाता की प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी में प्राकृतिक और गणितीय विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर शंकर बोस ने बताया कि रिसर्च टीम ने जिरकॉन, गार्नेट और मोनाजाइट जैसे खनिजों का विश्लेषण करने के लिए खनिज परीक्षण की आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। भूविज्ञान संकाय के एक सदस्य ने बताया कि जिरकॉन अपनी मजबूती के लिए जाना जाता है। यह बहुत गर्मी और दबाव में टिका रहता है, जबकि दूसरे खनिज नष्ट हो जाते हैं। अपनी इसी मजबूत प्रकृति के कारण जिरकॉन इन चट्टानों के भीतर एक छोटे टाइम कैप्सूल की तरह काम करता है। जिरकॉन क्रिस्टल के भीतर यूरेनियम और लेड जैसे रेडियोधर्मी तत्वों के क्षय का अध्ययन किया गया। इससे उन घटनाओं की सटीक जानकारी मिली, जो करोड़ों से लेकर अरबों साल पहले पूर्वी घाट क्षेत्र में घटित हुई थीं। आंध्र प्रदेश और पूर्वी अंटार्कटिका की चट्टानें वैज्ञानिकों ने पाया कि आंध्र प्रदेश और पूर्वी अंटार्कटिका की चट्टानों की उम्र, खनिजों की बनावट और रासायनिक विशेषताएं एक जैसी हैं। इन दोनों ही क्षेत्रों में भूवैज्ञानिक विकास के तीन प्रमुख चरणों के एक जैसे प्रमाण मिले हैं। बोस ने कहा कि विजयनगरम और सालुर की चट्टानों ने भूवैज्ञानिक इतिहास के उन्हीं तीन मुख्य चरणों को दर्ज किया है, जिनकी पहचान पहले ही पूर्वी अंटार्कटिका में की जा चुकी है। अध्ययन के अनुसार, पहला चरण 1,000 से 990 मिलियन वर्ष पहले हुआ था, जब एक बड़े महाद्वीपीय टकराव के दौरान चट्टानें 1,000 डिग्री सेल्सियस के करीब तापमान के संपर्क में आई थीं। इससे विशाल पर्वत श्रृंखला का निर्माण हुआ। दूसरा चरण 950 से 890 मिलियन वर्ष के बीच हुआ, उसमें चट्टानों के अंदर अधिक गर्मी और संरचनात्मक परिवर्तन शामिल थे। आखिरी यानी तीसरा चरण 570 से 540 मिलियन वर्ष पहले हुआ, जब खनिज समृद्ध तरल पदार्थ चट्टानों की दरारों से होकर गुजरे और एक विशिष्ट रासायनिक निशान छोड़ गए, जो भारत और अंटार्कटिका दोनों में हैं। गोंडवाना टूटने से भारत और अंटार्कटिका अलग हुए वैज्ञानिकों का मानना है कि गोंडवाना के टूटने से भारत और अंटार्कटिका अलग हो गए। ये दोनों भूभाग तब तक आपस में जुड़े रहे, जब तक कि 130 से 150 मिलियन वर्ष पहले सुपरकॉन्टिनेंट गोंडवाना टूटना शुरू नहीं हो गया। जैसे-जैसे भारतीय प्लेट उत्तर की ओर एशिया की तरफ खिसकी और अंटार्कटिका दक्षिण की ओर बढ़ा, आपस में जुड़ी हुई पर्वत श्रृंखला टूटकर अलग हो गई। आज ये क्षेत्र हजारों किलोमीटर लंबे महासागर से अलग किए गए हैं लेकिन चट्टानें अभी भी अपने साझा भूवैज्ञानिक अतीत के प्रमाण सहेजकर रखे हुए हैं।

अपनी कप्तानी में सबसे ज्यादा 200 रन खाने वाले कप्तान, टॉप पर श्रेयस अय्यर, बाबर आजम भी लिस्ट में

एजेंसी नई दिल्ली

टी20 क्रिकेट के फॉर्मेट में रनों की बरसात होना अब एक आम बात हो गई है लेकिन किसी भी कप्तान के लिए अपनी कप्तानी में 200 से अधिक का स्कोर बनते देखना एक बुरे सपने जैसा होता है। हालिया आंकड़ों के अनुसार टी20 क्रिकेट में एक कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा बार 200 या उससे अधिक का स्कोर लुटाने के मामले में कई दिग्गज और युवा कप्तान इस अनचाहे रिकॉर्ड की लिस्ट में शामिल हैं। इस लिस्ट में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर सबसे ऊपर हैं।

श्रेयस अय्यर (31 बार) इस अनचाही लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज और आईपीएल के सफल कप्तानों में शुमार श्रेयस अय्यर सबसे ऊपर काबिज हैं। श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी बड़ी टीमों की कप्तानी संभाली है। आक्रामक कप्तानी और शानदार सूझबूझ के बावजूद उनकी कप्तानी में विरोधी टीमों ने कुल 31 बार 200 या उससे अधिक का स्कोर खड़ा किया है।

फाफ डु प्लेसिस (29 बार) दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कमान संभाल चुके फाफ डु प्लेसिस इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। डु प्लेसिस के पास दुनियाभर की टी20 लीग्स और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का लंबा कप्तानी अनुभव है। चिन्नास्वामी जैसे छोटे मैदानों पर कप्तानी करने और गेंदबाजों के बेअसर प्रदर्शन के चलते उनके नेतृत्व में टीमों ने 29 बार 200 से ज्यादा रन खाए हैं।

एमएस धोनी (28 बार) दुनिया के सबसे चतुर और सफल कप्तानों में गिने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी का इस लिस्ट में होना थोड़ा हैरान जरूर करता है लेकिन इसके पीछे की वजह उनका लंबा करियर है। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स और भारतीय टीम के लिए रिकॉर्ड तोड़ मैचों में कप्तानी की है। मैच की संख्या बहुत ज्यादा होने के कारण उनकी कप्तानी में 28 बार विरोधी टीमों ने 200 का आंकड़ा पार किया।

बाबर आजम (21 बार) पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान और पीएसएल में विभिन्न फ्रेंचाइजी की कप्तानी की है। बाबर की कप्तानी में उनकी टीमों ने 21 बार 200 से अधिक का स्कोर गंवाया है। अक्सर अपनी रक्षात्मक कप्तानी के लिए आलोचकों के निशाने पर रहने वाले बाबर के लिए आधुनिक टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों पर नियंत्रण रखना कई बार बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हुआ है।

ऋषभ पंत (20 बार) भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत इस सूची में पांचवें नंबर पर हैं। पंत ने बहुत ही कम उम्र में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली है। अरुण जेटली स्टेडियम जैसे छोटे और बल्लेबाजों के मुफीद मैदान पर लगातार खेलने के कारण उनकी कप्तानी में अब तक 20 बार विरोधी टीमों ने 200+ रनों का पहाड़ खड़ा किया है।

बाहर होने की कगार पर टीम तो बहाने बनाने लगे श्रेयस अय्यर, आरसीबी से हार का बिल किसके ऊपर फाड़ा

एजेंसी नई दिल्ली

पिछले सीजन की दोनों फाइनलिस्ट टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बीच धर्मशाला के खूबसूरत मैदान पर खेला गया आईपीएल 2026 का 61वां मुकाबला बेहद ऐतिहासिक रहा। इस हाई-स्कोरिंग मैच में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 23 रनों से करारी शिकस्त देकर इस सीजन के प्लेऑफ में क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनने का गौरव हासिल किया है। नियमित कप्तान रजत पाटीदार की गैरमौजूदगी में जितेश शर्मा की अगुवाई में उतरी आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 222 रनों का विशाल स्कोर बनाया, जिसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 199 रन ही बना सकी और टूर्नामेंट से लगभग बाहर होने की कगार पर पहुंच गई। इस मैच में मिली हार के बाद श्रेयस अय्यर काफी निराश दिखे। लगातार छठी हार का सामना करने के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर का दर्द और निराशा साफ तौर पर उनके बयान में दिखाई दी। मैच के बाद जब उनसे

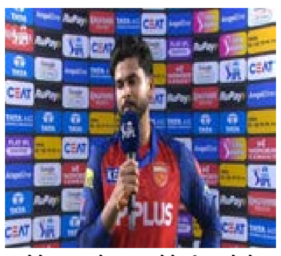

पूछा गया कि खेल कहां से उनके हाथ से निकल गया, तो अय्यर ने सीधे तौर पर गेंदबाजों और पावरप्ले को जिम्मेदार ठहराया। अय्यर ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो आरसीबी को शुरुआत बहुत बेहतरीन मिली और उन्होंने पावरप्ले खत्म होते ही हमारे गेंदबाजों पर काउंटर-अटैक करना शुरू कर दिया, आरसीबी जैसी टीम को 222 रनों पर रोकना हमारे गेंदबाजों का एक सराहनीय प्रयास था क्योंकि हम विकेट नहीं निकाल पा रहे थे, लेकिन सच यही है कि हम मैच पावरप्ले के दौरान ही हार चुके थे।' 223 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम ने शुरुआत में ही अपने शीर्ष बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए, जिस पर बात करते हुए अय्यर बेहद निराश दिखे। उन्होंने कहा, 'इतने बड़े लक्ष्य के सामने जब आप शुरुआती ओवरों में ही तीन विकेट गंवा देते हैं, तो वापसी करना नामुमकिन हो जाता है; इस सीजन में हमारे मुख्य रन-स्कोरर प्रभसिमरन और प्रियांश रहे हैं, जो हमें पावरप्ले में तूफानी शुरुआत देते थे, लेकिन इस बार हम वो शुरुआत हासिल नहीं कर सके। इसके बाद मेरा क्रीज पर आना और खुद महज 1 रन बनाकर जल्दी आउट हो जाना टीम के लिए सबसे बड़ा झटका था, जिससे मैं बेहद निराश हूं।' शशांक-स्टॉयनिस की तारीफ और भुवी-हेजलवुड की घातक गेंदबाजी का लोहा माना शुरुआती झटकों के बाद मध्यक्रम में शशांक सिंह और मार्कस स्टॉयनिस ने पंजाब को मैच में बनाए रखने की पूरी कोशिश की, जिसकी कप्तान ने खुलकर सराहना की। अय्यर ने कहा, 'शशांक और स्टॉयनिस ने मध्यक्रम में जो जज्बा दिखाया और जैसी बल्लेबाजी की, वह वाकई तारीफ के काबिल है; एक समय हम लगभग 10 रन प्रति ओवर की रन-रेट से चल रहे थे और मैच में बने हुए थे, लेकिन अंत में हम लक्ष्य से दूर रह गए। इसका बहुत बड़ा श्रेय भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड की शानदार गेंदबाजी को जाता है, जिन्होंने अंतिम ओवरों में हमें खुलकर शॉट खेलने का कोई मौका नहीं दिया और मैच को हमारी पहुंच से दूर कर दिया।'

ऋषभ पंत पर गिरेगी गाज ? भारतीय टीम की टेस्ट उप-कप्तानी से छुट्टी लगभग तय

एजेंसी नई दिल्ली

राष्ट्रीय चयनकर्ता जब अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम चुनने के लिए मंगलवार को गुवाहाटी में बैठक करेंगे तो भारतीय टीम में हैरान करने वाले नाम नहीं होंगे लेकिन लाल गेंद के प्रारूप में उप कप्तान के तौर पर ऋषभ पंत के भविष्य पर गंभीर चर्चा हो सकती है। ऐसा समझा जाता है कि यह भावना बढ़ रही है कि 28 साल के इस तेजतर्रार विकेटकीपर बल्लेबाज को नेतृत्वकर्ता की भूमिका रास नहीं आ रही है। आईपीएल में लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ दो सत्र से ऐसे ही संकेत मिलते हैं। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पिछले नवंबर में गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में जब पंत को कप्तानी सौंपी गई थी तो वह रणनीतिक तौर पर बहुत चतुर नहीं थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''भारतीय क्रिकेट ऋषभ जैसे बल्ले से मैच विजेता को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टेस्ट मैच जिताए हैं। जो लोग मायने रखते हैं उनमें यह भावना बढ़ रही है कि जब भी उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई तो उन्होंने बल्लेबाजी करते

समय अच्छे फैसले नहीं लिए।'' उन्होंने कहा, ''उसे खुलकर खेलने का मौका देना चयन समिति के दिमाग में सबसे ऊपर हो सकता है।'' पंत का मौजूदा फॉर्म चयन समिति की रातों की नींद उड़ा सकता है क्योंकि एकदिवसीय प्रारूप में लोकेश राहुल के बाद दूसरे विकेटकीपर के रूप में उनकी जगह पर सवालिया निशान बना हुआ है। ध्रुव जुरेल, संजू सैमसन और इशान किशन की मौजूदगी में पंत को 50 ओवर के प्रारूप के लिए दबाव महसूस हो सकता है। अगर बीसीसीआई की मेडिकल टीम को जसप्रीत बुमराह के काम के बोझ से कोई दिक्कत नहीं है तो यह सीनियर तेज गेंदबाज एकमात्र टेस्ट खेलेगा लेकिन मौजूदा आईपीएल के दौरान उनके काम के बोझ को देखते हुए तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में उनके खेलने की कोई संभावना नहीं है।

सूत्र ने कहा, ''अगर उनके काम के बोझ को लेकर थोड़ी सी भी दिक्कत होती है तो उन्हें पूरी श्रृंखला के लिए आराम दिया जाएगा।'' मौजूदा आईपीएल सत्र में भारतीय तेज गेंदबाजों के बीच प्रभावी प्रदर्शन करने वाले प्रिंस यादव को श्रीलंका में त्रिकोणीय लिस्ट ए श्रृंखला के लिए नहीं चुना गया है क्योंकि वह अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए चुने जाने के मजबूत दावेदार हैं। हालांकि भारत अफगानिस्तान के खिलाफ कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेल रहा है लेकिन चयन समिति के सचिव देवजीत सैकिया के साथ सूर्यकुमार यादव के भविष्य के बारे में अनौपचारिक बातचीत करेगी क्योंकि पिछले डेढ़ साल से उनका फॉर्म खराब चल रहा है। माना जा रहा है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के इनपुट सूर्यकुमार का राष्ट्रीय कप्तान के तौर पर भविष्य तय करने में बहुत काम आएंगे। अगर उन्हें कप्तानी से हटा दिया जाता है तो उनके लिए बल्लेबाज के तौर पर टीम में अपनी जगह बनाए रखना मुश्किल होगा। सबसे सुरक्षित विकल्प यह है कि उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अगुआई करने का मौका दिया जाए और उस श्रृंखला में बल्ले से उनके प्रदर्शन को देखते हुए उनके भविष्य पर फैसला किया जाए। लेकिन अब इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि चयनकर्ता उस रास्ते पर चलेंगे।

रियान पराग के एक फैसले ने राजस्थान रॉयल्स को डूबा दिया, दिल्ली कैपिटल्स को गिफ्ट किया मैच

एजेंसी नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2026 के 62वें मुकाबले में 3 ओवर में जीत के लिए 35 रन चाहिए थे। क्रीज पर अक्षर पटेल और डेविड मिलर थे। राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने पार्ट टाइम गेंदबाज डोनोवन फेरेरा को 18वें ओवर में गेंदबाजी दे दी। उनके लिए तीन ओवर में 29 रन देने वाले दासुन शनाका का विकल्प था लेकिन रियान ने गैम्बल खेला। डेविड मिलर और अक्षर पटेल बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। डोनोवन फेरेरा ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते थे। शायद इसी वजह से रियान पराग ने यह फैसला किया। फेरेरा की दूसरी गेंद पर मिलर ने छक्का लगा दिया। हालांकि इसके अलावा 4 गेंदों पर उन्होंने चार रन दिए। फेरेरा की आखिरी गेंद पर अक्षर ने मिड विकेट पर लंबा छक्का मारा। इस तरह ओवर में 16 रन बन गए।

इस ओवर के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग काफी गुस्से में नजर आए। उन्होंने अपनी कैप उतारी और उसे फेंकने वाले थे लेकिन फिर खुद को रोक लिया। इसके बाद दिल्ली को जीत के लिए दो ओवर में सिर्फ 19 रन चाहिए थे। डेविड मिलर 19वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हो गए लेकिन अक्षर पटेल के साथ मिलकर आशुतोष शर्मा ने 4 गेंद रहते ही मैच को फिनिश कर दिया।

इस मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने 193 रन बनाए। 14 ओवर के बाद टीम का स्कोर 2 विकेट पर 160 रन था। आखिरी 6 ओवर में 33 रन बने और 6 बल्लेबाज आउट हो गए। मिचेल स्टार्क ने 15वें ओवर में चार गेंद को भीतर तीन विकेट ले लिए। राजस्थान की बैटिंग इससे उबर नहीं पाई। कप्तान रियान पराग ने टीम के लिए 51 और ध्रुव जुरेल ने 53 रनों की पारी खेली।

व्यापार

रुपये को कमजोर होने दें, जाने-माने अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया सोने पर ड्यूटी बढ़ाने से इसलिए नहीं सहमत

एजेंसी नई दिल्ली

वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने सोने के आयात पर ज्यादा ड्यूटी लगाकर उसे टारगेट करने के खिलाफ चेतावनी दी है। उनका तर्क है कि रुपये को कमजोर होने देना भारत के बढ़ते 'करंट अकाउंट' (चालू खाता) के दबाव को संभालने का ज्यादा असरदार तरीका होगा। पनगढ़िया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उन सार्वजनिक अपीलों का समर्थन किया जिनमें उन्होंने लोगों से अपने व्यवहार में बदलाव लाने को कहा था। मसलन, कम यात्रा करना और 'वर्क फ्रॉम होम' करना। लेकिन, उन्होंने सोने के आयात पर चुनिंदा तरीके से ड्यूटी बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाए। इंडिया टुडे टीवी के साथ इंटरव्यू में पनगढ़िया ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने जिस तरह से नैतिक अपील का सहारा लिया है, उससे मुझे कोई दिक्कत नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'किसी भी नेता के लिए, जब उसे भविष्य में किसी संकट के बादल मंडराते दिखते हैं, तो बचाव का यह पहला तरीका होता है।'

उन्होंने इस अपील की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 1965 की उस अपील से की, जिसमें उन्होंने खाने की कमी के दौरान भारतीयों से हफ्ते में एक दिन उपवास रखने को कहा था।

सोने पर ड्यूटी बढ़ाना कितना प्रभावी? पनगढ़िया जनवरी 2015 से अगस्त 2017 तक नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार 'करंट अकाउंट डेफिसिट' (सीएडी) को लेकर चिंतित दिखती है। लेकिन, उन्होंने तर्क दिया कि इस समस्या का सही नीतिगत समाधान विनिमय दर में बदलाव करना है। न कि किसी खास चीज पर ड्यूटी बढ़ाना।

जाने-माने अर्थशास्त्री ने कहा, 'सोने जैसी चीजों पर ड्यूटी बढ़ाने के तरीके से मैं पूरी तरह सहमत नहीं हूं।' उन्होंने सुझाव दिया, 'रुपये को कमजोर होने दें। इससे सभी तरह के आयात रुपये के हिसाब से थोड़े महंगे हो जाएंगे और रुपये के

कमजोर होने से निर्यात भी ज्यादा आकर्षक हो जाएगा।' इकोनॉमिस्ट के मुताबिक, किसी एक चीज को टारगेट करने से इकोनॉमिक एडजस्टमेंट की पूरी प्रक्रिया में रुकावट आती है। उन्होंने कहा, 'शायद इसका मकसद तो सही है कि हमें इस बात पर नजर रखनी चाहिए कि 'करंट अकाउंट' में क्या हो रहा है। लेकिन, सिर्फ सोने को चुनकर उस पर कार्रवाई करने का यह तरीका मुझे थोड़ा बेअसर लगता है।'

बदले माहौल में बढ़ाई गई ड्यूटी विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव होने के साथ तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इस बीच गैर-जरूरी आयात को कम करने की कोशिशों के तहत सरकार ने हाल ही में बड़ा कदम उठाया। सोने और चांदी के आभूषणों पर 5% और प्लैटिनम 5.4% ड्यूटी लगा दी है।

भारत का सोने का आयात पहले ही बढ़कर रिकॉर्ड 72 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। सोने की तस्करी में आ सकती है तेजी पनगढ़िया ने स्वीकार किया कि ज्यादा ड्यूटी लगाने से सोने का आयात कम हो सकता है। लेकिन, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इससे सोने की तस्करी और अनौपचारिक व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा, 'ड्यूटी बढ़ाने से सोने की कीमत बढ़ जाती है। इसका सीधा असर यह होता है कि सोने का आयात कम हो जाता है। इसमें कोई शक नहीं है। इसका एक असर यह भी हो सकता है जिसे आप शायद 'अनौपचारिक' कहें, लेकिन मेरी सीधी-सादी भाषा में कहें तो सोने की तस्करी में भी थोड़ी तेजी देखने को मिल सकती है।'

जाने-माने अर्थशास्त्री ने तर्क दिया कि आयात की मांग को तय करने के लिए टारगेटेड पाबंदियों के बजाय बाजार-आधारित कीमतों के संकेतों को आधार बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'किसी को कैसे पता चलेगा कि 72 अरब डॉलर सही रकम है और 73 डॉलर या 71 डॉलर सही नहीं है? अलग-अलग चीजों की कीमतें सबके लिए सही होनी चाहिए। आर्थिक फैसले लेने वालों को यह तय करने देना चाहिए कि वे कितना आयात करना चाहते हैं।' पीएम मोदी की अपील पर दी यह राय पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती ग्लोबल कीमतों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईंधन बचाने के उपायों पर जोर दिया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे गैर-जरूरी यात्रा से बचें। ईंधन की खपत कम करें। कई कंपनियों ने 'वर्क-फ्रॉम-होम' की व्यवस्था का विस्तार किया है। जबकि सरकारों ने खर्च में कटौती के उपाय अपनाए हैं। इनमें सरकारी काफिलों को कम करना भी शामिल है। अरविंद पनगढ़यि ने कहा कि इस तरह की अपीलें लोगों के व्यवहार को प्रभावित कर सकती हैं। जब उनसे पूछा गया कि ये कदम अर्थव्यवस्था की मदद कैसे करेंगे तो उन्होंने कहा, 'यह सब नेता के असरदार होने पर निर्भर करता है। अगर कई नागरिक इन बातों से प्रेरित होते हैं तो इसका कुछ न कुछ असर जरूर होगा।' अर्थशास्त्री ने 'नैतिक दबाव' को 'पूरी तरह से स्वैच्छिक' बताया। कहा कि संकट के समय सरकारें अक्सर ऐसे उपायों का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा तरीका था जिसका इस्तेमाल महात्मा गांधी ने आजादी की लड़ाई के दौरान बहुत ही असरदार तरीके से किया था।' ईंधन की बढ़ने दें कीमतें

हालांकि, अरविंद पनगढ़यि ने बार-बार यह तर्क दिया कि प्रशासनिक या किसी खास क्षेत्र से जुड़े उपायों के मुकाबले कीमतों को तय करने वाले व्यापक तरीके ज्यादा असरदार होते हैं।

अमेरिका-ईरान अड़े, भारत-चीन समेत इन देशों की बढ़ी टेंशन, सेफ सप्लाई के लिए अब ये है आगे का प्लान

एजेंसी नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच मूडीज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट आई है। इसमें कई तरह की संभावनाएं जाहिर की गई हैं। उसने कहा है कि भारत और तेल आयात करने वाले दूसरे देश एनर्जी सप्लाई सुरक्षित करने के लिए द्विपक्षीय रूप से बातचीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि ट्रांजिट कॉरिडोर के जरिये। लेकिन, 2026 में युद्ध से पहले के ट्रैफिक वॉल्यूम पर वापस लौटना मुश्किल है। भू-राजनीतिक जोखिमों पर अपनी ग्लोबल रिपोर्ट में मूडीज ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच तत्काल और स्थायी समझौते की संभावना बहुत कम है। इसके साथ ही होर्मुज स्ट्रेट के पूरी तरह दोबारा खुलने के आसार भी कम हैं। आगे इस तरह के बन रहे हालात मूडीज ने कहा कि ट्रांजिट फ्लो धीरे-धीरे बेहतर होगा। लेकिन, यह सामान्य रूप से फिर से खुलने के बजाय द्विपक्षीय माध्यमों से होगा। इससे एनर्जी ट्रांजिट फ्लो में कुछ हद तक सुधार हो सकता है जो अभी लगभग शून्य है। लेकिन, यह प्रक्रिया धीमी, अपारदर्शी और रुकावटों के अधीन होगी। यह बन सकता है प्लान रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमें उम्मीद है कि तेल आयातक ईरान के साथ ट्रांजिट के लिए द्विपक्षीय रूप से बातचीत करेंगे। इनमें विशेष रूप से चीन, भारत, जापान और कोरिया शामिल हैं। यह बातचीत मुमकिन है कि कोऑर्डिनेटेड ट्रांजिट कॉरिडोर के जरिये होगी। जैसे कि लारक द्वीप के पास और ओमान के क्षेत्रीय जल क्षेत्र से। 2026 में संघर्ष से पहले के ट्रैफिट वॉल्यूम पर वापस लौटना मुश्किल है।' मूडीज ने कहा कि भले ही अगले छह महीनों में स्ट्रेट में सुरक्षित आवाजाही फिर से शुरू हो जाए। फिर भी तेल बाजार में सप्लाई की कमी बनी रहेगी। इसके चलते ऊर्जा की कीमतें लगातार ऊंची

और अधिक अस्थिर रहेंगी। इसका व्यापक असर लागत, मांग और उन उधारकर्ताओं की फाइनेंसिंग कंडीशंस पर पड़ेगा जो इस स्थिति के प्रति संवेदनशील हैं। ऊंची बनी रहेंगी क्रूड की कीमतें मूडीज ने अपनी 12 मई की रिपोर्ट में कहा, 'हमें अब उम्मीद है कि इस साल के ज्यादातर समय ब्रेंट क्रूड की कीमत 90-110 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रहेगी। इसमें काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। नई घटनाओं के जवाब में कीमतें कभी-कभी इस दायरे से बाहर भी जा सकती हैं।' ब्रेंट की कीमतें 90-110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बनी रहने की स्थिति में मूडीज का अनुमान है कि कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ में 0.2-0.8 फीसदी की कमी आ सकती है। मूडीज ने कहा, 'भारत उन देशों में से है जो इस स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 46 फीसदी हिस्सा मिडिल ईस्ट से आयात करता है। साथ ही यह मुद्रा के अवमूल्यन के प्रति संवेदनशील है। इसके चालू खाते और राजकोषीय प्रबंधन पर भी दबाव बना रहता है।' मूडीज ने अपने मई के 'ग्लोबल मैक्रो आउटलुक' में साल 2026 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 0.8 फीसदी घटाकर 6 फीसदी कर दिया है। तीसरे महीने में पहुंच चुका है संघर्ष

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष अब अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुका है। इसकी शुरुआत अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए संयुक्त हवाई हमलों से हुई थी। इस हमले की वजह से होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया। यह एक अहम समुद्री रास्ता है। इससे शांति के समय दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा कच्चा तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) गुजरता था। इस स्ट्रेट से समुद्री यातायात संघर्ष से पहले के स्तरों की तुलना में 90 फीसदी से ज्यादा कम हो गया है। जोखिम से बचने की कोशिश, बीमा की ज्यादा लागत और समुद्री सुरंगों की मौजूदगी की वजह से जहाजों की आवाजाही पर रोक लग गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें 90 डॉलर से 120 डॉलर प्रति बैरल के बीच काफी ऊपर-नीचे होती रही हैं। मूडीज ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही में आई रुकावट ग्लोबल एनर्जी फ्लो के लिए सिर्फ एक टेम्परेरी शॉक नहीं है। इसके बजाय यह सप्लाई से जुड़ा एक स्ट्रक्चरल डिस्रप्शन बन गया है। मूडीज ने यह भी कहा कि उसे उम्मीद है कि ये रुकावटें पतझड़ के मौसम तक जारी रहेंगी। मूडीज ने यह भी चेतावनी दी कि लगातार बढ़ती ऊर्जा कीमतें और ऊर्जा उत्पादों की कमी महंगाई को और बढ़ाएगी। मूडीज ने कहा, 'इससे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मॉनेटरी पॉलिसी का रास्ता और मुश्किल हो जाएगा। ऊर्जा पर ज्यादा निर्भर रहने वाले क्षेत्रों में उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। घरों की खरीदने की क्षमता कम हो जाएगी। जोखिम वाले कर्जदारों के लिए फाइनेंसिंग की शर्तें और कड़ी हो जाएंगी।' मूडीज का अनुमान है कि 2026 में भारत में महंगाई की औसत दर 4.5 फीसदी रहेगी, जो उसके पिछले अनुमान से 1 फीसदी ज्यादा है।

नवग्रहों में राजा सूर्य देव की दिव्य कथा, मैं सूर्य देव हूं

नवग्रहों में सूर्य देव ने अपने स्वरूप, शक्ति व प्रभाव का वर्णन किया है. सूर्य प्रकाश, ऊर्जा और सौरमंडल के स्वामी हैं. रविवार व्रत और सूर्य पूजा से दुख-बाधा से मुक्ति मिलती है.

एक समय स्वर्गलोक के सत्ता सिंहासन पर आसीन इन्द्रदेव ने सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु से अनुरोध किया कि आप लोग क्रमशः अपने मुख से अपना-अपना शुभ, अशुभ, आकृति-प्रकृति, व्यक्तित्व, प्रभाव, शक्ति, पराक्रम और गरिमा का वर्णन करें. तब नव ग्रहों में सबसे पहले सूर्य ने अपने गुणों का गुणगान करते हुए कहा-

सर्वप्रथम सूर्यदेव ने कहा-

हे राजन ! मैं पृथ्वी से तेरह लाख गुना बड़ा हूं. मेरा रंग पीलेपन लिए हुए लाल है. मैं सौरमंडल का स्वामी हूं. प्रत्येक जड़-चेतन प्राणियों की आत्मा मैं ही हूं. मेरे प्रकाश से ही सब प्रकाशित होते हैं. मैं अंधकार और अज्ञान का शत्रु हूं. मेरे द्वारा ही धातुओं और रत्नों में रंग एवं चमक आती है. सभी ग्रह-नक्षत्र मेरी ही आकर्षण शक्ति से अपनी-अपनी कक्षा में स्थित और गतिमान हैं. समस्त इंद्रधनुषी रंगों का स्रोत मैं ही हूं. मेरी असंख्य किरणें समस्त लोकों को आलोकित करती हैं, इसलिए मैं सहस्रांशु कहलाता हूं.

यह सातों रंग ही मेरे सात घोड़े हैं, जो मेरे प्रखर एवं दिव्य रथ को खींचते हैं. मैं समस्त ग्रहों का राजा हूं. चंद्रमा मेरा मंत्री है. शनि मेरा पुत्र है. बृहस्पति और मंगल मेरे अभिन्न मित्र हैं. मैं क्षत्रिय वर्ण हूं और अग्नि तत्व प्रधान हूं.

मैं ही पृथ्वी पर जल की वर्षा करके जीव-जंतुओं और वनस्पतियों को अंकुरित, पल्लवित, पुष्पित एवं फलित करता हूं. मानव के हृदय, आंखों और स्नायु आदि पर मेरा ही प्रभाव रहता है. मेरा शुभ प्रभाव होने पर साधारण व्यक्ति भी राजा, मंत्री या राष्ट्राध्यक्ष बन जाता है. शारीरिक, मानसिक रोग, दुःख, उदासीनता, अपमान, मंदाग्नि, उदर की क्षीणता और रोगों का आगमन मेरे प्रतिकूल प्रभाव के कारण ही होता है. जो मेरे दिन यानी रविवार को व्रत रखते हैं, नमक नहीं खाते, उन्हें मैं रोगमुक्त रखता हूं। जो लोग उपरोक्त वस्तुएं न खाते और न छूते हुए मेरे दिन व्रत-उपवास रखते हैं तथा उगते समय मेरे स्वरूप को अर्घ्य देकर विधिवत पूजन करते हैं, उन पर मैं प्रसन्न होकर उन्हें धन-धान्य से परिपूर्ण करके जीवन में सफलता देता हूं.मैं परम प्रतापी और समस्त जगत की आत्मा हूं, अतः ब्रह्मस्वरूप हूं. मेरे दिन यानी रविवार को जन्म लेने वाला व्यक्ति तेजस्वी, चतुर, स्वाभिमानी और दानी होता है. उदार प्रकृति वाला ऐसा व्यक्ति कुलभूषण होता है. उसे 21वें तथा 22वें वर्ष में मेरी कृपा प्राप्त होती है. मैं प्रसन्न रहूं तो उसका भाग्योदय करा देता हूं. यदि रुष्ट रहूं तो इन्हीं वर्षों में कष्ट देता हूं. ऐसे व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष से अधिक नहीं होती, यदि अनुकूल हूं तो 99 वर्ष तक का जीवन देता हूं.

मेरे रविवार के दिन संगीत, शिक्षा-दीक्षा, औषधि सेवन करना, पशुपालन करना, नौकरी का प्रारंभ करना, हवन-यज्ञ करना तथा मंत्र-उपदेश को ग्रहण करना शुभ होता है. मैं अन्न-शस्य खरीदने-बेचने, सीखने और वाद-विवाद में सफलता दिलाता हूं. मेरे वार में पुष्य नक्षत्र हो तो महायोग बनता है. इस रवि-पुष्य योग में की गई हर साधना शीघ्र सिद्धिदायक होती है. साधक, तांत्रिक और ज्योतिषी रवि-पुष्य की शुभ घड़ियों में अपना तांत्रिक प्रयोग या साधना करने को उत्सुक रहते हैं.

मेरे दिन गाय का घी खाना बल, वीर्य एवं स्वास्थ्यवर्धक है, किंतु गुड़, तेल और शहद खाना हानिकारक है. मेरे उदय-अस्त से पृथ्वी के हर चराचर प्रभावित होते हैं तथा उदय पर जागते और क्रियाशील होते हैं. अस्त होने पर क्रियाहीन होकर सोते हैं, यदि नहीं सोते तो पाचन तंत्र बिगड़ जाता है. पृथ्वी के जिस भाग पर मेरी किरणें नहीं पड़तीं, वह भाग भूतों, प्रेतों, राक्षसों और निशाचरों का डेरा बन जाता है. चोर-चांडालों का भय मेरे प्रकाश के बिना प्राणियों को सताता रहता है. जन्मकुंडली में 3, 6, 10, 11वें स्थान पर मैं शुभ प्रभाव देता हूं. मेरी स्वराशि सिंह, उच्च राशि मेष तथा नीच राशि तुला है।

वरदा चतुर्थी पर भूलकर भी न करें ये गलतियों के करने से भगवान गणेश नाराज हो सकते

ज्येष्ठ अधिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर वरदा चतुर्थी मनाई जाती है। यह तिथि प्रथम पूज्य गणेश जी को समर्पित है। वरदा चतुर्थी के दिन श्री गणेश की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन भगवान गणेश जी की विधिवत रुप से पूजा-अर्चना करने का विधान है।

इसके साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए व्रत भी किया जाता है।

गणपति बप्पा की साधना करने से साधक को शुभ फल प्राप्त होते हैं। माना जाता है कि इस दिन कुछ गलतियों के करने से भगवान गणेश नाराज हो सकते हैं और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। आइए आपको बताते हैं वरदा चतुर्थी के दिन किन गलतियों को भूलकर नहीं करना चाहिए।

भूलकर भी न करें ये काम

पूजा में न करें तुलसी का प्रयोग

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश की पूजा में तुलसी दल को शामिल नहीं करना चाहिए। धार्मिक कथा के अनुसार, भगवान ने तुलसी को श्राप दिया था। इसलिए गणेश जी पूजा में तुलसी के पत्ते भूलकर भी शामिल नहीं करना चाहिए।

काले रंग के कपड़े पहनना

हिंदू धर्म में पूजा के दौरान काले रंग के कपड़े पहनना शुभ नहीं माना जाता है। वरदा चतुर्थी के दिन काले रंग के कपड़े धारण न करें। ऐसा करने नकारात्मकता आती है और साधक से भगवान गणेश रुष्ट हो सकते हैं।

तामसिक भोजन का सेवन करना

इस दिन तामसिक भोजन से दूरी बनाना चाहिए। इससे गणेश जी अप्रसन्न हो सकते हैं और कामों में सफलता नहीं मिलती है।

बुजुर्गों का अपमान करना

वरदा चतुर्थी के दिन माता-पिता या घर के बुजुर्गों का अपमान न करें।

वाद-विवाद करना- वरदा चतुर्थी के दिन किसी से वाद-विवाद न करें। इसके अलावा किसी के बारे में गलत न सोचें। ऐसा करने से पूजा सफल नहीं होती। इसके साथ ही जीवन में परेशनियां बढ़ जाती है। इसके साथ ही मंदिर और घर में गंदगी न रखें। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है।

कब मनाई जाएगी वरदा चतुर्थी

इस बार 20 मई को वरदा चतुर्थी मनाई जाएगी। ज्येष्ठ अधिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत- 19 मई को दोपहर 02 बजकर 18 मिनट पर होगा और ज्येष्ठ अधिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का समापन- 20 मई को सुबह 11 बजकर 06 मिनट पर होगा।

स्फटिक माला से कैसे करें धन आकर्षित ? जानिए 12 चमत्कारी मंत्र, पूजा विधि और जरूरी नियम

ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं में स्फटिक माला को बेहद पवित्र और प्रभावशाली माना गया है. यह माला सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने, मानसिक शांति बढ़ाने और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने में सहायक हो सकती है. कई लोग धन संबंधी परेशानियों, मानसिक तनाव और आर्थिक रुकावटों को दूर करने के लिए स्फटिक माला का उपयोग करते हैं. धार्मिक ग्रंथों और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, सही विधि और मंत्र के साथ इसका प्रयोग करने से शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं.

स्फटिक माला प्राकृतिक क्रिस्टल यानी पारदर्शी पत्थर से बनाई जाती है. इसे शुद्धता, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है. ज्योतिष में इसका संबंध शुक्र ग्रह और मां लक्ष्मी से बताया गया है.स्फटिक माला धारण करने या इससे मंत्र जाप करने से मन शांत रहता है और व्यक्ति का ध्यान पूजा-पाठ में अधिक लगने लगता है. कई साधक और श्रद्धालु विशेष मंत्रों के जाप के लिए इसी माला का उपयोग करते हैं.

कौन से मंत्रों से माला को कर सकते है सिद्ध

वैसे तो यह माला सामान्य रूप से पहनी जाए, तो भी सभी दृष्टियों से उन्नति पूर्ण साबित होती है. लेकिन अगर माला को मंत्रों से सिध्द प्राण प्रतिष्ठा हो जाए तो आश्चर्यचकित फल प्रदान करता है. इस माला को बारह प्रकार से प्रयोग किया जाता है. सभी के मंत्र अलग है, परन्तु साधना विधि एक ही है.

आइए जानते है वो बारह फलदायी और लाभकारी मंत्रः-

1. लक्ष्मी प्राप्ति के लिए मंत्र
ॐ श्रीं हूं क्लीं महालक्ष्मै नमः
(धन, समृद्धि और मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए)

2. व्यापार वृद्धि के लिए मंत्र
ॐ क्लीं व्यापारोन्नति हूं नमः
(बिजनेस में तरक्की और लाभ बढ़ाने के लिए)

3. समस्त प्रकार की उन्नति के लिए मंत्र
ॐ हूं कामहविपये श्रीं नमः
(जीवन में प्रगति और सफलता के लिए)

4. शत्रु नाश के लिए मंत्र
ॐ क्लीं हूं मम (अमुक) शत्रुनाशयति हूं फट्
(विरोधियों और शत्रुओं से बचाव के लिए)

5. मुकदमे में सफलता के लिए मंत्र
ॐ क्लीं बीज रूपिणे महाकालिकायै क्लीं फट्
(कोर्ट-कचहरी और कानूनी मामलों में सफलता के लिए)

6. रोग मुक्ति के लिए मंत्र
ॐ वं मम देह चेतन्य जययं हूं हूं नमः
(बीमारी और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से राहत के लिए)

7. सफलता के लिए मंत्र
ॐ श्रीं हूं कुसुम्भ नमः
(कार्यों में सफलता और सकारात्मक परिणाम के लिए)

8. गड़ा हुआ धन प्राप्त करने के लिए मंत्र
ॐ हूं वातालचिये हूं हूं श्रीं स्वाहा
(छिपे धन या रुका हुआ धन प्राप्ति की मान्यता से जुड़ा मंत्र)

9. पुत्र प्राप्ति के लिए मंत्र
ॐ क्लीं गुलोचनार्ग देव पुत्रं देहि देहि नमः
(संतान सुख की कामना के लिए)

10. गृहस्थ सुख के लिए मंत्र
ॐ श्रीं हं स्वाहा
(परिवार में सुख-शांति और खुशहाली के लिए)

11. भाग्योदय के लिए मंत्र
ॐ ऐं कमलिनी हूं हूं हूं फट् स्वाहा
(भाग्य वृद्धि और अच्छे अवसर प्राप्त करने के लिए)

12. राज्य पद प्राप्ति के लिए मंत्र
ॐ हूं हूं कालि करालिनी क्षौं फट्
(उच्च पद, प्रतिष्ठा और अधिकार प्राप्ति की मान्यता से जुड़ा मंत्र)

स्फटिक माला साधना पूजा विधि, सही समय और जरूरी नियमः

वातावरण की शुद्धिः सुबह नहाकर, साफ कपड़े पहने और पूर्व की दिशा की ओर करके बैठ जाए. दीपक और अगरबत्ती जलाकर वातावरण को शुद्ध कर ले.

माला की शुद्धिः माला को जल, दूध और फिर जल से शुद्ध करें और केसर/चंदन लगाकर मंत्र जाप करना शुरू करें.

सही समयः सोमवार का दिन सुबह का समय इस काम के लिए शुभ माना गया है.

मंत्र जप करने की संख्याः इस वातावरण में 10 हजार बार (10,000) मंत्रों से माला को सिध्द करें, इस साधना को 5 दिनों में पूरा कर लेना चाहिए.

विशेष ध्यान रखेंः माला शुद्ध और असली होनी चाहिए, और साधना पूरी होने के बाद ही माला को पहने.

आर्थिक राशिफलः सूझबूझ और सही प्लानिंग से मिलेगी बड़ी कामयाबी, जानिए अपना करियर राशिफल

मेष राशि का आर्थिक राशिफल कामकाज को लेकर आज आपके भीतर अलग ही जोश रहेगा, जो आपकी परफॉर्मेंस में साफ चमकेगा। दफ्तर में सहकर्मी बड़ी योजनाओं के लिए आपकी तरफ देखेंगे और आपकी मेहनत बॉस की नजरों में भी आएगी। शाम को चंद्र गोचर के बाद का समय सबसे शानदार रहेगा। उस दौरान आप नए प्लान्स पर काम कर पाएंगे, पेंडिंग रिपोर्ट पूरी कर सकेंगे या जरूरी कागजी काम आसानी से निपटा लेंगे।

वृषभ राशि का आर्थिक राशिफल कार्यक्षेत्र में आज आपका काफी शांत और सुलझा हुआ रूप दिखेगा। दफ्तर के बड़े मामलों में फैसला लेते समय सीनियर्स आपकी सूझबूझ पर पूरा भरोसा जताएंगे। बुध का आपकी ही राशि में होना नए एग्रीमेंट्स पर चर्चा करने या पेंडिंग कागजी काम निपटाने के लिए बहुत खास है। रात को चंद्र गोचर के बाद आप भविष्य की योजनाओं को लेकर गहरी प्लानिंग करते नजर आएंगे।

मिथुन राशि का आर्थिक राशिफल आज करियर के मामलों में काफी अनुशासित होकर चलने की जरूरत है। ग्रह संकेत दे रहे हैं कि सच्ची सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। दिन का समय ऑफिस के एडमिनिस्ट्रेटिव या बैक-एंड के पेंडिंग कामों को पूरा करने में बिताएं। रात को जब चंद्रमा आपकी राशि में आएंगे, तो नए आइडियाज मिलेंगे जिनका इस्तेमाल आप कल की मीटिंग्स में कर सकते हैं।

कर्क राशि का आर्थिक राशिफल ऑफिस में आज आपका पूरा ध्यान अपनी टीम को साथ लेकर चलने पर रहेगा। अगर कार्यक्षेत्र में कोई आपसी मनमुटाव चल रहा है, तो उसे सुलझाने में आज आप मध्यस्थ की अच्छी भूमिका निभाएंगे। काम पूरा करने का जोश रहेगा, लेकिन अपने तौर-तरीकों को थोड़ा सहज रखें। देर रात का समय पेंडिंग फाइलें समेटने के लिए अच्छा है ताकि कल की शुरुआत फ्रेश माइंड से हो।

सिंह राशि का आर्थिक राशिफल करियर के लिहाज से आज का दिन सबसे बेहतरीन साबित हो सकता है। मुश्किल परिस्थितियों को भी आप बहुत आसानी से संभाल लेंगे। दिन के पहले हिस्से में उन कामों को निपटाएं जो सीधे सीनियर्स की नजर में आते हैं। रात को चंद्र गोचर के बाद का समय उन लोगों से बातचीत बढ़ाने के लिए अच्छा है जो आपके करियर को नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।

कन्या राशि का आर्थिक राशिफल प्रोफेशनल लाइफ में आज आप अपना रुतबा और मजबूत करेंगे। दिन का समय नई रणनीति बनाने या प्लानिंग के लिए सबसे उत्तम है। रात के समय जब चंद्र गोचर होगा, तो वहां बैठे शुक्र और गुरु के शुभ प्रभाव से आपको अचानक कार्यक्षेत्र से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है या दफ्तर में आपका सम्मान बढ़ सकता है।

तुला राशि का आर्थिक राशिफल कामकाज से जुड़े मामलों में आज आप पूरी तरह प्लानिंग करने के मूड में रहेंगे। दिन का समय दफ्तर की गोपनीय बातों को समझने और रिसर्च करने में बिताएं। परिस्थितियों को पहले ही भांप लेने की खूबी से आप कार्यक्षेत्र में अच्छे सलाहकार बनेंगे। रात को चंद्र गोचर के बाद पूरा ध्यान बातचीत और बाहरी संपर्कों पर रहेगा, जिससे नया प्रोजेक्ट मिल सकता है।

वृश्चिक राशि का आर्थिक राशिफल कार्यक्षेत्र में आज आपकी सफलता इस बात पर टिकी है कि आप दूसरों के साथ मिलकर कितनी सहजता से काम निपटाते हैं। क्लाइंट या पार्टनर के साथ आपसी तालमेल ही आपको आगे लेकर जाएगा। समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए बुद्धि का इस्तेमाल करें। रात को चंद्र गोचर से दफ्तर का कोई ऐसा राज सामने आ सकता है जिससे काम आसान हो जाएगा।

धनु राशि का आर्थिक राशिफल प्रोफेशनल लाइफ में आज आप अपनी टीम के लिए सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरेंगे। काम की बारीकियों पर आपका पूरा ध्यान अधिकारियों की नजरों में आएगा। मैनेजमेंट से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत शानदार रहेगा। रात को चंद्र गोचर के बाद पूरा फोकस टीम वर्क पर शिफ्ट हो जाएगा, जिससे किसी सहयोगी के साथ मिलकर नई योजनाएं बनेंगी।

मकर राशि का आर्थिक राशिफल प्रोफेशनल क्षेत्र में आज आप बहुत एक्टिव रहेंगे। दिन के समय अपनी रचनात्मक सोच का इस्तेमाल करके प्रोजेक्ट्स की रुकावटों को दूर करें। रात के समय जब चंद्रमा का गोचर होगा, तो दफ्तर का पूरा माहौल बहुत ही खुशनुमा, सकारात्मक और एक-दूसरे की मदद करने वाला बन जाएगा, जिससे काम का दबाव कम होगा।

कुंभ राशि का आर्थिक राशिफल प्रोफेशनल तौर पर आज का दिन किसी भी काम की मजबूत बुनियाद तैयार करने का है। आज आप खुद को वर्क फ्रॉम होम करते हुए या बैक-एंड के उन कामों पर ध्यान लगाते हुए पा सकते हैं जो पर्दे के पीछे से होते हैं। दिन में अपने संसाधनों को एक जगह जुटाएं। रात को चंद्र गोचर के बाद आपकी रचनात्मक क्षमता अचानक बढ़ जाएगी, जिससे नए आइडियाज पर काम करना आसान हो जाएगा।

मीन राशि का आर्थिक राशिफल कार्यक्षेत्र में आज आप हर काम को बहुत ही सलीके और आपसी तालमेल के साथ पूरा करने में सफल रहेंगे। दिन का समय उन सभी कामों के लिए उत्तम है जहां अपनी बात को बहुत साफ शब्दों में दूसरों तक पहुंचाना हो। रात होते-होते जब चंद्र गोचर होगा, तो आप अपने करियर की बड़ी इच्छाओं और अपने घर-परिवार के बीच एक सुंदर संतुलन बनाने की ओर ध्यान देंगे।

ज्योतिष सीखने के लिए इन ग्रहों की कार्यप्रणाली को जानना है अतिआवश्यक

एक लेखक के लिए जो महत्व शब्दों के अर्थ का है, एक ज्योतिषी के लिए वही महत्व ग्रहों के कारकत्व का है। समय बदलने के साथ चीजें बदलती हैं, लेकिन ग्रहों के मूल स्वभाव कभी नहीं बदलता। कारकत्व ज्योतिष का वह शब्दकोश है जिसके बिना जन्मकुंडली का अनुवाद करना असंभव है। बिना कारकत्व के ज्ञान के, जन्मकुंडली के 12 भाव और 27 नक्षत्र केवल खाली खानों की तरह हैं। सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध के कारकत्व जानने के बाद आइए जानें बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु, केतु के कारकत्व। बृहस्पति- बृहस्पति धर्म एवं ज्ञान का कारक है, धार्मिक लाभ के कार्य, ईश्वर के प्रति निष्ठा, पूजा-पाठ, पवित्र स्थानों आदि का कारक बृहस्पति है। बृहस्पति बलवान होने पर व्यक्ति ज्ञान के द्वारा उच्च पद प्राप्त करता है, प्रवक्ता, शिक्षक, बड़े भाई, वरिष्ठ व्यक्तियों का कारक, दर्शनशास्त्र, धन, आदर, पुत्र, परोपकार, ज्ञानी, धार्मिक प्रचारक, फलदार वृक्ष आदि बृहस्पति के कारकत्व क्षेत्र में आते हैं। शुक्र- शुक्र दांपत्य जीवन का कारक है, पत्नी, विवाह, प्रजनन अंग, ऐन्द्रिय आनन्द शुक्र के कारकत्व के अंतर्गत आते हैं। संगीत, काव्य, सुगंध, आभूषण, हीरे, जवाहरात, ऐश्वर्य की

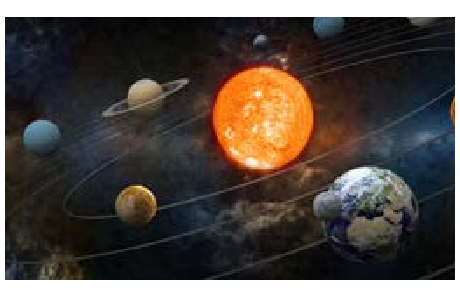

सभी वस्तुएं, सौन्दर्य, जलीय स्थान, सफेद चमकीली वस्तुएं, सांसारिक सुख, भोग विलास का कारक शुक्र है।

शनि- आपके घर में जो सेवक है, उसका प्रतिनिधित्व शनि करता है, यानी शनि सेवक का कारक है। आयु, दुर्भाग्य, संकट, अनादर, बीमारी, गरीबी, आजीविका, अनैतिक और अधार्मिक व्यवहार, विदेशी भाषा और विज्ञान का शिक्षण, कृषिगत रोजगार, व्यवसाय, खनिज पदार्थ, लोहा, तेल, पृथ्वी की गहराई में से निकलने वाली वस्तुएं, सेवक-सेविकाएं, नौकरियां, चोरी, क्रूर कार्य, बहुत वृद्ध व्यक्ति भी शनि के कारकत्व में आते हैं। राहु- राहु दादा का कारक, कठोर वाणी, जुआ, भ्रामक तर्क, गतिशीलता, यात्राएं, विजातीय, विदेशी, सांप के काटने, चोरी, दुष्टता, विधवा, त्वचा की बीमारियां, खुजली, एग्जिमा, शरीर में तेज़ दर्द, शरीर में अथवा उसके किसी भाग में सूजन, ज़हर, राजनीति में सफलता एवं अचानक यात्राएं राहु कराता है। केतु- केतु व्यक्ति के नाना के बारे में बताता है, दर्द, ज्वर, घाव, शत्रुओं को नुकसान पहुंचाना, जादू-टोना, कुत्ता, सींग वाले पशु, चित्तकबरे अथवा बहुरंगी पक्षी, मोक्ष का कारक है।

बैतूल के सदर बाजार में मोबाइल चोर पकड़ाया

चोरी के बाद मोबाइल साथी को सौंपा, झारखंड निवासी युवक को हिरासत में लिया

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल के सदर बाजार में रविवार दोपहर मोबाइल चोरी की घटना सामने आई। सदर काफी हाउस के पास सब्जी खरीदने आए लोगों के बीच घूम रहे एक नाबालिग युवक को संदिग्ध गतिविधियों के दौरान रंगे हाथों पकड़ लिया गया। बाद में उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12 बजे बाजार में कुछ नाबालिग लड़के बिना खरीदारी किए इधर-उधर घूमते नजर आए। बाजार में मौजूद राजेश प्रजापति और अन्य लोगों ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखी। इसी दौरान एक युवक को मोबाइल चोरी करते हुए पकड़ लिया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और नाबालिग युवक को थाने ले जाकर पूछताछ शुरू की। राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय के मुताबिक युवक ने पूछताछ में खुद को बाहरी क्षेत्र का निवासी बताया। उसने यह भी कहा कि उसके अन्य साथी भी बाजार में घूम रहे हैं।

कोतवाली टीआई देवकरण डहरिया ने बताया कि नाबालिग ने चोरी करने के बाद मोबाइल एक बड़े व्यक्ति को सौंप दिया था। नाबालिग की निशानदेही पर उस व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है, जो खुद को झारखंड का निवासी बता रहा है। पुलिस फिलहाल दोनों से पूछताछ कर रही है और पूरे गिरोह का पता लगाने में जुटी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जागरूकता और सतर्कता के चलते युवक को समय रहते पकड़ लिया गया। सदर और कोठीबाजार के साप्ताहिक बाजारों में पहले भी मोबाइल चोरी की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। कुछ समय तक इन वारदातों पर रोक लगी थी, लेकिन अब फिर चोरी की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। व्यापारियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले बाजारों में पुलिस की ओर से निगरानी का कोई स्थायी तंत्र नजर नहीं आता। बाजार के दिनों में जेबकतरे और मोबाइल चोर सक्रिय रहते हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

बाजार से जुड़े लोगों के मुताबिक इटारसी और नागपुर की ओर से मोबाइल चोर गिरोह बाजार वाले दिन बैतूल पहुंचते हैं। इन गिरोहों में महिलाएं और नाबालिग भी शामिल रहते हैं, जो भीड़ का फायदा उठाकर मौका मिलते ही मोबाइल चोरी कर लेते हैं। जानकारों का कहना है कि अब मोबाइल ट्रैक होने के डर से गिरोह मोबाइल सीधे बेचने के बजाय उसके पुर्जे अलग-अलग कर बेच देते हैं। इससे पुलिस के लिए मोबाइल तक पहुंचना और आरोपियों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है।

आधी रात 35 फीट गहरे कुएं में गिरी कार

बैतूल में मोड़ पर अनियंत्रित होने से हादसा, तीन घायल, दो के हाथ-पैर टूटे

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

बैतूल जिले के भैंसदेही थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात भैंसदेही-आठनेर रोड पर गुदगांव के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर 35 फीट गहरे कुएं में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बैतूल रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि दो युवकों को हाथ-पैर टूट गए।

यह हादसा रात करीब 1 बजे हुआ। बताया गया है कि कार में सवार युवक एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अमरावती लौट रहे थे। गुदगांव के पास मोड़ पर कार अनियंत्रित हो गई। इसके बाद वह लगभग 10 फीट ढलान पार करते हुए सड़क से करीब 20 फीट दूर स्थित कुएं में जा गिरी।

हादसे के बाद कार सवार एक युवक ने कड़ी मशक्कत के बाद रात करीब 3 बजे कुएं से बाहर निकलने में सफलता पाई। उसने खेतों में सो रहे स्थानीय ग्रामीणों को आवाज लगाकर मदद मांगी। ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही भैंसदेही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से बचाव अभियान शुरू किया गया।

करीब पांच घंटे के बचाव अभियान के बाद कार में फंसे दो अन्य युवकों को भी बाहर निकाला जा सका। कुएं में लगभग तीन फीट पानी था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस हादसे में एक युवक का हाथ टूट गया, जबकि दूसरे के पैर में गंभीर चोट आई है। एक युवक कार के गेट में फंसा हुआ था, जिसे काफी प्रयासों के बाद बाहर निकाला गया।

घायलों की पहचान राहुल पिता गजानंद (36) निवासी अडवी, जिला अमरावती; कृष्णा बोकदे पिता प्यारेलाल (36) निवासी कन्नौद; और सत्यम तोमर निवासी मुरैना के रूप में की गई है। बचाव कार्य में एसआई आशीष कुमरे, आरक्षक परसराम लोखंडे, आरक्षक नरेंद्र, अमर सिंह चौहान, शैलेंद्र मोरे, अशोक अडलक सहित गुदगांव और धामनगांव के ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खेत मालिक श्री मस्की ने भी राहत कार्य में सहयोग किया।

प्रेमिका को बुलाने की जिद पर टॉवर पर चढ़ा युवक

बैतूल में 4 घंटे तक चला नशेड़ी का हाई वोल्टेज ड्रामा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

बैतूल जिले के भीमपुर जनपद अंतर्गत बक्का ग्राम पंचायत में रविवार दोपहर एक 28 वर्षीय युवक जियो के मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। शराब के नशे में धुत यह युवक अपनी प्रेमिका को बुलाने की जिद पर अड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत व समझाइश के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा जा सका।

जानकारी के अनुसार, टॉवर पर चढ़ने वाले युवक का नाम संदीप बारस्कर (28) है। वह रविवार दोपहर करीब 3 बजे टॉवर पर चढ़ा था। बताया जा रहा है कि युवक शराब के नशे में था और उसका अपने परिवार से विवाद हुआ था। टॉवर पर चढ़कर वह लगातार अपनी प्रेमिका को बुलाने की मांग कर रहा था। उसका आरोप था कि ग्रामीण उसे चिढ़ाते हैं और परिवार वालों ने भी उसे मना कर रखा है। घटना की सूचना मिलने पर डायल 100, चौकी प्रभारी सुरेश सिंह, तहसीलदार बसंत कुमार बरखानिया और जनपद पंचायत सीईओ नान सिंह चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। टॉवर पर सोलर पैनल लगा रहे मजदूरों और अधिकारियों ने उसे काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद प्रशासन ने सूझबूझ दिखाते हुए मौके से लोगों की भीड़ को पूरी तरह हटा दिया। भीड़ कम होने और काफी समझाइश के बाद शाम करीब 7 बजे युवक स्वयं टॉवर से नीचे उतर आया। नीचे उतरने के बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित उसके घर पहुंचा दिया। चौकी प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि प्रशासन की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया और अब स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

संतुलन बिगड़ा, डेढ़ साल की बच्ची पहली मंजिल से गिरी, बैतूल में गमले से टकराने से सुरक्षित बच गई

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

बैतूल के मुलताई स्थित अंबेडकर वार्ड में शनिवार रात घर की पहली मंजिल से गिरने के बावजूद डेढ़ साल की बच्ची सुरक्षित बच गई। उसे तत्काल क्रिश मेमोरियल हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। घायल बच्ची का नाम भानू है। वह लक्ष्मण बगाहे की बेटी है। घटना रात करीब 8 बजकर 4 मिनट पर हुई। परिजन के अनुसार, बच्ची घर की बालकनी और छत के पास खेल रही थी। तभी संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गई।

पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि बच्ची के गिरते ही परिवार के सदस्य और आसपास के लोग उसकी ओर दौड़ते दिखे। कुछ ही देर में इलाके में भीड़ जमा हो गई और बच्ची को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, इतनी ऊंचाई से गिरने के बावजूद बच्ची को केवल मामूली खरोंचें आई हैं। उसकी हालत सामान्य है और उसे खतरे से बाहर बताया गया है। स्थानीय लोग बच्ची के सुरक्षित बचने पर आश्चर्य जता रहे हैं।

इलाके के लोगों का कहना है कि यदि गिरने का तरीका थोड़ा अलग होता तो गंभीर हादसा हो सकता था। घटना के बाद मोहल्ले में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। लोगों ने अभिभावकों से छोटे बच्चों को छत, बालकनी और सीढ़ियों के पास अकेला न छोड़ने की अपील की। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हादसे से जुड़ी कई बातें सामने आई हैं। वीडियो में डेढ़ साल की बच्ची भानू संतुलन बिगड़ने के बाद पहली मंजिल से नीचे गिरती दिख रही है। गिरते समय उसका शरीर सीधे सिर के बल जमीन पर नहीं गिरा।

प्रत्यक्षदर्शियों और वीडियो के आधार पर आशंका है कि यदि बच्ची दीवार की ओर सिर की पोजिशन में गिरती तो बड़ा हादसा हो सकता था। गिरते समय उसके पैर नीचे रखे गमले से हल्के टकराए। इससे गिरने की गति और असर कुछ कम हो गया। इसके बाद बच्ची जमीन पर गिरी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यही वजह रही कि इतनी ऊंचाई से गिरने के बावजूद बच्ची को गंभीर चोट नहीं आई। डॉक्टरों ने भी इसे राहत भरी स्थिति बताया है।

मजदूरी के पैसों के विवाद में युवक की हत्या

जलाशय में पेड़ के नीचे दबाकर छिपाया था शव, नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में सेल्टिया जलाशय के पास मिले युवक के शव मामले में पुलिस ने हत्या का खुलासा कर दिया है। मजदूरी के पैसों के विवाद और पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या की गई थी। मामले में एक नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस को 15 मई 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम कारोपानी के पास सेल्टिया जलाशय में एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राधेश्याम बट्टी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

घटनास्थल पर युवक का शव पानी में औंधे मुंह पड़ा मिला। शव को एक भारी पेड़ के तने के नीचे दबाया गया था। मृतक के सिर, गर्दन, गले और पीठ पर गंभीर चोटों के निशान मिले थे। मृतक की पहचान छिंदवाड़ा जिले के नवेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम ढाकरवाड़ी निवासी 22 वर्षीय राजू उईके के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत गला दबाने और गंभीर चोटों के कारण होना सामने आया। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपियों के बीच मजदूरी के पैसों को लेकर विवाद चल रहा था।

इसी पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने राजू उईके की हत्या की योजना बनाई। जांच में यह भी पता चला कि 13 मई को एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद राजू उईके आरोपियों के साथ मोटरसाइकिल से गया था, जिसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने मिलकर पहले युवक के साथ मारपीट की और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को सेल्टिया जलाशय में एक भारी पेड़ के तने के नीचे दबा दिया गया।

पुलिस ने मामले में छिंदवाड़ा जिले के टुई ढाना सेल्टिया निवासी रुपेश कवडे, बैतूल जिले के बामला निवासी आयुष नर्रे, छिंदवाड़ा जिले के ढाकरवाड़ी निवासी तेजीलाल उईके और एक विधि-विरुद्ध बालक को गिरफ्तार किया है। मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

बोरदेही थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है और पूरे मामले की आगे जांच की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949